



subhassaverenews@gmail.com
facebook.com/subhassaverenews
www.subhassavere.news
twitter.com/subhassaverenews

सुप्रभात

जीवन की आपा धापी में कितने रिश्ते रूठ गए बहुत संभाला बच ना पाए मोह के बंधन छूट गए कांच से निकले लोग यहां चटके और फिर टूट गए काम ना आया कोई जादू जंतर मंतर फूंक गए लंबी फेहरिस्त रकीबी की हम सच्चे होकर भी चूक गए ना समझे वो धार कभी क्यों फिर हमसे झूठ कहे उनको अपना सब कुछ मान लिया हम जानबूझ कर दूंद रहे बंद आंखों से खाब संजोया आँख खुली और फूट गए अब तन्हा तन्हा रहते हैं लो तन्हाई से ऊब गए

- मीनाक्षी पाठक

एनडीए में शामिल हुए जयंत चौधरी कयासों पर लगा विराम, यूपी में इंडिया गठबंधन को बड़ा झटका

लखनऊ (एजेंसी)। राष्ट्रीय लोकदल (आरएनडी) के मुखिया जयंत चौधरी अखिरकार एनडीए में शामिल हो गए। बीते कई दिनों से उनके भाजपा के साथ जाने की अटकलें थीं। चौधरी चरण सिंह को केन्द्र सरकार द्वारा भारत रत्न की घोषणा के बाद से ये तय माना जा रहा था कि जयंत चौधरी इंडिया गठबंधन का साथ छोड़ देंगे और भाजपा नीत एनडीए के साथ चले जाएंगे। अब इस खबर पर मुहर लग गई है। जयंत चौधरी आने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा के साथ खड़े दिखाई देंगे। बीते दिनों भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से कहा मिलाने के बारे में पूछे जाने पर चौधरी ने सहायता, कोई कसर रहती है? आज मैं किस मुंह से इनकार करूँ।

प्रसंगवश

जी हां, भारतीय मुस्लिम महिलाओं को यूसीसी की जरूरत है!

अमना बेगम
छले सप्ताह, मुझे उत्तराखंड सरकार द्वारा पारित समान नागरिक संहिता विधेयक पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए एक समाचार चैनल पर आमंत्रित किया गया था। यह मेरे लिए अविश्वसनीय रूप से उत्साहजनक क्षण था। इसे लेकर मेरे मन में उम्मीद की एक किरण थी और मैं शुक्रगुजार होने की भावना से भरी हुई थी। अंततः, मेरे जैसी भारतीय मुस्लिम महिलाएं अब भारत के संविधान द्वारा ऐसा महसूस नहीं करतीं कि जैसे उन्हें कानून से दूर रखा गया हो। वही भारतीय संविधान जिसका उद्देश्य नेहरू द्वारा अपनाया गए मूल्यों-प्रगतिशीलता, तर्कसंगतता और महिलाओं के अधिकारों-का कड़ा समर्थन था। यह सबको साथ लेकर चलने और सबको महत्व देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है, जो हमें उन आदर्शों के करीब लाता है जिन पर हमारे देश का निर्माण हुआ था। हालांकि, कुछ मुस्लिम कट्टरपंथी समूहों, स्वयंभू या स्वघोषित धार्मिक नेताओं और पितृसत्तात्मक संगठनों ने, हमारे आधुनिक, प्रगतिशील संविधान द्वारा दी गई स्वतंत्रता से लाभ उठाते हुए, आपत्तियां दर्ज कराई हैं। उनका तर्क है कि विशिष्ट कानूनों को उनके समुदाय के भीतर लागू नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि वे उनकी धार्मिक मान्यताओं के विपरीत हैं। इसके अलावा, वे इसे धार्मिक स्वतंत्रता का मामला बनाते हैं, और प्रभावी रूप से यह चुनने की क्षमता की वकालत करते हैं कि किन कानूनों का पालन करना है। यह दो विरोधाभासी उद्देश्यों की एक साथ पूर्ति करने जैसा है। जबकि उत्तराखंड सरकार के यूसीसी बिल ने मुझे राहत और खुशी दी, यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि पीपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई), आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) और

असदुद्दीन ओवैसी जैसे इस्लामी समूह जो कि मुस्लिमों का विक्रिम कार्ड खेलकर फल-फूल रहे हैं, वे इसका विरोध कर रहे हैं। उनका विरोध मुस्लिमों के खिलाफ उत्पीड़न की वजह से नहीं है; बल्कि, यह सांप्रदायिक और इस्लामी समूहों द्वारा प्राप्त विशेषाधिकारों के खत होने की आशंका पैदा करता है। और स्वाभाविक रूप से महिला विरोधी, मुस्लिम विरोधी और, सबसे महत्वपूर्ण, भारत विरोधी व समानता विरोधी विशेषाधिकारों को अब चुनौती दी जा रही है। ओवैसी ने विभाजनकारी रुख अपना लिया है। उन्होंने यूसीसी लागू होने से मुस्लिम समुदाय के भीतर महिलाओं को मिलने वाले बेहतरीन लाभों की बात करने के बजाय इसे हिंदू-मुस्लिम का मुद्दा बनाकर पेश करने की कोशिश की। उनका तर्क है कि यह संहिता या कोड वास्तव में यूनियन नहीं है यानी कि एक समान नहीं है, बल्कि सभी नागरिकों पर हिंदू-केन्द्रित कानून को थोपने की कोशिश है। लेकिन उन्होंने आसानी से इस तथ्य को नजरअंदाज कर दिया कि यूसीसी काफ़ी हद तक हिंदू कोड बिल जैसा इसलिए है, क्योंकि इस बिल में महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। ओवैसी बिल के कुछ पहलुओं जैसे हलाला और बहुविवाह से संबंधित प्रावधानों पर सवाल उठाते हैं। उनका तर्क है कि यह विधेयक अनुच्छेद 25 और 29 द्वारा गारंटी किए गए मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है, जो धार्मिक प्रथाओं, संस्कृति और विरासत की रक्षा करने का अधिकार देता है। लेकिन ऐसे में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं को उन्होंने नजरअंदाज कर दिया। सबसे पहले, मुस्लिम होने के लिए शरिया कानून का पालन करना कोई पूर्व शर्त नहीं है; इस्लाम के पांच बातों का पालन ही पर्याप्त है। तुर्की जैसे कई मुस्लिम-बहुल देशों ने धर्मनिरपेक्ष और लैंगिक रूप से समान कानूनों को सफलतापूर्वक अपनाया है। इसके अतिरिक्त, पश्चिमी देशों

में रहने वाले कई मुसलमान बिना किसी संघर्ष या जटिलता के अपने धर्म और विश्वास का पालन करते हुए देश के कानूनों का पालन करते हैं। दूसरा, संस्कृति के संरक्षण के नाम पर महिलाओं के उत्पीड़न को उचित ठहराना गलत है। यदि हिंदू समाज सांस्कृतिक आधार पर सती जैसी प्रथाओं के संरक्षण की वकालत करता है, तो राज्य ऐसे अन्याय को रोकने के लिए उचित रूप से हस्तक्षेप करेगा। इसी प्रकार, यह सुनिश्चित करना राज्य का धर्मव्य है कि कोई भी व्यक्ति, चाहे उसकी सांस्कृतिक या धार्मिक पृष्ठभूमि कुछ भी हो, अन्याय या उत्पीड़न का शिकार न हो। एक अन्य तर्क एआईएमपीएलबी जैसे स्वघोषित मुस्लिम संस्थाओं से पैदा होता है। उनका तर्क है कि उत्तराखंड सरकार द्वारा यूसीसी पर प्रस्तावित कानून अनावश्यक है और विविधता में एकता के सिद्धांत को कमजोर करता है। हालांकि, यह तर्क इस तथ्य को नजरअंदाज करता है कि विविधता में एकता का मतलब भेदभाव या असमानता के प्रति सहिष्णुता नहीं है। बल्कि, यह एक ढांचे के भीतर विभिन्न संस्कृतियों और मान्यताओं के सह-अस्तित्व पर जोर देता है। कोई भी मुसलमानों को अपने रीति-रिवाजों का पालन करने, अपनी मान्यताओं के अनुसार रहने या अपनी पसंद के अनुसार कपड़े पहनने के अधिकार से वंचित नहीं कर सकता है। ये व्यक्तिगत स्वतंत्रताएं हैं जो कानूनी सीमाओं के भीतर संरक्षित और सम्मानित हैं। मौजूदा मुद्दा कानूनी शर्तों से संबंधित है जहां महिलाओं के खिलाफ भेदभाव बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। इसलिए, यूसीसी का आह्वान विविधता को नकारता नहीं है; बल्कि, यह कानूनी ढांचे के भीतर समानता और न्याय सुनिश्चित करना चाहता है। यह पूरी तरह से समझ में आता है कि

एआईएमपीएलबी जैसे संगठन यूसीसी का विरोध क्यों करते हैं। ऐसा कोड वास्तव में उनके अधिकार को चुनौती देगा, क्योंकि वे अक्सर मुस्लिम समुदाय के भीतर समानांतर ज्युडिशियल बॉडीज (न्यायिक निकाय) के रूप में कार्य करते हैं। यूसीसी की वकालत करके, उत्तराखंड सरकार का लक्ष्य एक समान कानून स्थापित करना है जो सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू हो ताकि कानून के समक्ष समानता को बढ़ावा दिया जा सके और समानांतर ज्युडिशियल बॉडीज के प्रभाव को कम किया जा सके। एक भारतीय मुस्लिम महिला के रूप में, मैं यूसीसी के कार्यान्वयन का तह-ए-दिल से समर्थन करती हूँ। सच्चाई तब स्पष्ट होती है जब हम भारतीय मुस्लिम महिला आंदोलन (बीएमएमए) जैसे संगठनों द्वारा किए गए सर्वेक्षणों को देखते हैं, जो इस बात की एक झलक प्रदान करते हैं कि आम मुस्लिम महिलाओं की इच्छाएं क्या हैं। 10 राज्यों में किए गए बीएमएमए सर्वेक्षण के अनुसार, 90 प्रतिशत से अधिक मुस्लिम महिलाओं ने बहुविवाह की प्रथा को खारिज किया और मौखिक रूप से व एकतरफा तलाक (खाली पुरुषों के द्वारा दिया जा सकने वाला) पर प्रतिबंध लगाने की इच्छा व्यक्त की है। वास्तव में, सर्वेक्षण में शामिल लगभग 91.7 प्रतिशत महिलाओं ने बहुविवाह के विरोध में आवाज उठाई और वकालत की कि एक मुस्लिम पुरुष को पहली शादी के रहते हुए दूसरी पत्नी रखने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। सर्वेक्षण में शामिल 83.3 प्रतिशत मुस्लिम महिलाओं का मानना था कि मुस्लिम पारिवारिक कानून को संहिताबद्ध करने से उन्हें न्याय पाने में मदद मिलेगी। (दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

नीतीश सरकार ने विश्वास मत हासिल किया

● सत्ता पक्ष की मांग पर वोटिंग, समर्थन में 129 वोट ● सीएम नीतीश ने याद दिलाया जंगलराज ● दशरथ तो नहीं चाहते थे कि राम को वनवास हो, पर केकई नहीं मानी : तेजस्वी ● मोदी जी की गारंटी वाले बताएंगे क्या मुख्यमंत्री फिर पलटेंगे या नहीं? ● सीएम नीतीश बहुमत प्राप्त के बाद बोले 'सबका खयाल' से दे दिया हिट

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा में सोमवार को नीतीश सरकार ने फ्लोर टेस्ट पास कर लिया। वोटिंग से पहले ही विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया था। सत्ता पक्ष की मांग पर वोटिंग करवाई गई। इसमें समर्थन में 129 वोट पड़े। विपक्ष में एक भी वोट नहीं पड़ा। इससे पहले विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सदन में मुख्यमंत्री जैसे ही बोलने के खड़े हुए तो आरजेडी विधायक हंगामा करने लगे। नीतीश कुमार ने गुस्से में कहा कि लोग मुझे सुनना नहीं चाहते तो वोटिंग करवाइए। नीतीश ने तेजस्वी के माता-पिता का जंगलराज याद दिलाया।

तेजस्वी
तेजस्वी ने कहा दशरथ तो नहीं चाहते हैं राम को वनवास हो, पर केकई नहीं मानी। तेजस्वी ने कहा, मैं खुश हूँ कि कर्पूरी ठाकुरजी को भारत रत्न दिया गया। भाजपा ने भारत रत्न को डील बना दिया है। आप हमारे साथ आएं और हम आपको भारत रत्न देंगे।



नीतीश सरकार के समर्थन में 129 वोट पड़े

बिहार विधानसभा में सोमवार को नीतीश सरकार ने फ्लोर टेस्ट पास कर लिया। वोटिंग से पहले ही विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया था। सत्ता पक्ष की मांग पर वोटिंग करवाई गई। इसमें समर्थन में 129 वोट पड़े।

नीतीश बोले
हम सबको एकजुट कर रहे थे, उसमें कुछ हुआ। और हमको पता चला कि कांग्रेस पार्टी भी डर रही है। और इनके पिताजी भी उनके साथ थे। तब हम पुरानी जगह पर आ गए। अब सब दिन के लिये आ गए हैं। किसी का नुकसान नहीं करेंगे।

प्रदेश में टैक्स का कोई नया प्रस्ताव नहीं वित्त मंत्री बोले-4 महीने के खर्च के लिए अंतरिम बजट; मोदी की गारंटी पर हो रहा काम

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश विधानसभा में सोमवार को डिटी सीएम और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने साल 2024-25 आय-व्यय का लेखानुदान यानी अंतरिम बजट पेश किया। यह बजट एक लाख 45 हजार करोड़ रुपए का है। जिसमें विभागों को अप्रैल से जुलाई 2024 तक विभिन्न योजनाओं में खर्च के लिए राशि आवंटित की गई है। लेखानुदान में टैक्स के नए प्रस्ताव नहीं हैं। ना ही खर्च की कोई नई मद शामिल है। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा, प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर काम कर रही है। लेखानुदान की प्राप्त राशि जुलाई में पेश होने वाले पूर्ण बजट में शामिल की जाएगी। अंतरिम बजट पर 13 फरवरी को चर्चा होगी। इसके लिए 4 घंटे का समय निर्धारित किया गया है। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने साल 2024-25 आय-व्यय का लेखानुदान यानी अंतरिम बजट पेश किया।

लेखानुदान में किसके लिए कितनी राशि?
● किसानों के लिए 9588 करोड़ रुपए
● महिला एवं बाल विकास विभाग के लिए 9360 करोड़ रुपए
● हेल्थ डिपार्टमेंट के लिए 5417 करोड़ रुपए
● नगरीय विकास विभाग के लिए 4654 करोड़ रुपए
● आदिवासी कल्याण के लिए 4287 करोड़ रुपए
● धार्मिक न्यास के लिए 39 करोड़ रुपए
● सामाजिक न्यास के लिए 1820 करोड़ रुपए
● ग्रामीण विकास विभाग के लिए 5100 करोड़ रुपए
● अनुसूचित जाति विभाग के लिए 787 करोड़ रुपए
● ओबीसी और अल्प संख्यक कल्याण के लिए 514 करोड़ रुपए
● लोक निर्माण विभाग के लिए 3132 करोड़ रुपए
● स्कूल शिक्षा विभाग के लिए 11674 करोड़ रुपए
● श्रम विभाग के लिए 391 करोड़ रुपए

विधानसभा में 'भारत रत्न' पर हंगामा

सीएम यादव बोले-कांग्रेस ने जिन पर ध्यान नहीं दिया, उन्हें हम भारत रत्न दे रहे

भोलाल (नप्र)। सीएम डॉ. मोहन यादव ने विधानसभा में कहा कि हमारा संकल्प पत्र कोई कागज का टुकड़ा नहीं, बल्कि धर्म ग्रंथ की तरह है। जिसे हम निश्चित रूप से करेंगे। ये उप नेता प्रतिपक्ष का आविष्कार कहाँ हुआ? - मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा- चाहे पक्ष हो या नेता प्रतिपक्ष हो। यह बात समझ नहीं आई कि यह उप नेता प्रतिपक्ष का आविष्कार कहाँ हुआ है। सीएम की बात पर उप नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि विधानसभा में पारित हुआ है। अगर आपको जरूरत हो तो मैं उपलब्ध कर दूंगा। अयोध्या से उज्जैन का खास रिश्ता है... मुख्यमंत्री ने कहा- तीन बड़ी बातों का उल्लेख करना चाहता हूँ। अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा हुई। कल के प्रभाव ने हमारी कई परीक्षाएं लीं। मध्य प्रदेश का खास रिश्ता है अयोध्या से। उज्जैन और अयोध्या का। 2000 साल पहले हमारे सम्राट विक्रमादित्य ने उज्जैन से जाकर अयोध्या को पुनर्स्थापित कराया था और वर्तमान में जहां पर मंदिर की बात की जा रही है वहां पर ऐसा कहा जाता है कि 84 कसौटी का मंदिर जिसे बाबर ने तोड़ा था। वह सम्राट विक्रमादित्य ने बनवाया था। 'भारत रत्न' पर उमंग सिंघार के बयान पर हंगामा - मुख्यमंत्री ने कहा- पांच भारत



रत्न दिए गए। जिसमें बिहार के सर्वहारा वर्ग के बड़े नेता कर्पूरी ठाकुर, लालकृष्ण आडवाणी, चौधरी चरण सिंह, डॉ. स्वामीनाथन, और नरसिम्हा राव शामिल हैं। जिनके लिए कांग्रेस पार्टी ने कोई ध्यान नहीं दिया। उनको भी भारत सरकार भारत रत्न देने जा रही है। मुख्यमंत्री के संबोधन के बीच में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि भारत रत्न एक बहुत बड़ा गौरवशाली सम्मान होता है और जो भारत के संविधान में उल्लिखित है लेकिन आपने एक साल में 5-6 बांट दिए।

उमंग के बयान पर सत्ता पक्ष के विधायकों ने हंगामा शुरू कर दिया। जिस पर अध्यक्ष ने व्यवस्था देते हुए कहा भारत रत्न भारतवर्ष का सर्वोच्च सम्मान है इस पर कोई टिप्पणी नहीं की जा सकती, जो शब्द आए हैं उनको विलोपित किया जाता है। धार्मिक स्थलों पर हेलिकॉप्टर और हवाई यात्रा की सुविधा देने की बात कही गई है। इंदौर से महाकालेश्वर, इंदौर से ओंकारेश्वर, ग्वालियर से ओंछा, ग्वालियर से दतिया ऐसे कई सारे स्थलों पर हवाई सुविधा शुरू की जाएगी। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के बयान पर हंगामा - सीएम ने कहा- टट्ट्या मामा को सालों तक शिक्षा नीति में किस नाम से जाना जाता है। उनके अपमान का अगर कोई जिम्मेदार है तो वह कांग्रेस पार्टी है। संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कांग्रेस के बयान को गुरु गोविंद सिंह को भी लुटेरा कहा था। टट्ट्या भील को भी लुटेरा कहा। इतिहास के पन्नों में जितना महापुरुषों का अपमान कांग्रेस ने किया, कांग्रेस को शर्म आना चाहिए। विजयवर्गीय के बयान पर कांग्रेस विधायकों ने आपत्ति जताई। कांग्रेस विधायकों ने विजयवर्गीय के बयान को सदन की कार्यवाही से विलोपित करने की मांग की। बीजेपी विधायकों ने कहा- एनसीडीआरटी की कितना बों में साफ तौर पर लुटेरा लिखा गया था। उसे मुस्लिम मानो जैसी ने ठीक करने का काम किया था।

चप्पे-चप्पे पर बढ़ी सुरक्षा



टिकरी बॉर्डर पर पुलिस रख रही ड्रोन से नजर

● किसानों का दिल्ली मार्च-राजधानी में एक महीने धारा 144 लागू ● मीडा जुटने और ट्रैक्टरों की एंटी पर रोक; पंजाब-हरियाणा, दिल्ली बॉर्डर सील

अंबाला (एजेंसी)। किसानों को दिल्ली कूच से रोकने के लिए पंजाब-हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर सीमेंट की स्लेब रखी जा रही है। हरियाणा-दिल्ली के सिंधु व टिकरी बॉर्डर पर बैरिकेडिंग कर दी गई है। पंजाब और हरियाणा के 26 किसान संगठनों के 13 फरवरी के कूच को देखते हुए दिल्ली में एक महीने के लिए धारा 144 लगा दी गई है। दिल्ली में भीड़ जुटाने, लाउडस्पीकर और ट्रैक्टरों की एंटी बैन कर दी है।



इसके साथ हथियारों से लेकर लाठी-पत्थर भी दिल्ली में नहीं ले जाने दिए जाएंगे। इस बीच चंडीगढ़ में किसानों की फसल पर एमएसपी गारंटी कानून समेत अन्य मांगों पर केंद्रीय मंत्रियों पीयूष गोयल, अर्जुन मुंडा, नित्यानंद राय से बैठक होगी। किसानों के प्रदर्शन को देखते हुए पंजाब और हरियाणा के शंभू, खनौरी, सिंधु, टिकरी समेत सभी बॉर्डर सील किए जा चुके हैं। सीमेंट के स्लेब, कटीली तारें, कोलें लगाने के साथ खुदाई की गई है उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में स्थित गाजीपुर बॉर्डर पर भी लोहे के बैरिकेडिंग लगा दिए गए हैं। धारा-144 लागू कर दी। यूपी को दिल्ली से जोड़ने वाले नेशनल हाईवे-9 की सर्विस लेन बंद कर दी है। शंभू बॉर्डर पर पुलिस ने मांक ड्रिल और आंसू गैस के गोले छोड़ने की मांक ड्रिल की।

संक्षिप्त समाचार

लोकल से ग्लोबल हुआ भारत का यूपीआई

पीएम मोदी ने किया लॉन्च

श्रीलंका और मॉरीशस में भी चलेगा 'भारत का सिक्का'

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत का युनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (पीआई) ग्लोबल होता जा रहा है और कई देशों ने इसे अपनाने में दिलचस्पी दिखाई है। अब इसका और विस्तार हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीलंका और



मॉरीशस में यूपीआई सर्विस को लॉन्च कर दिया है। अब श्रीलंका और मॉरीशस के लोग भी अपने-अपने यहां इनका इस्तेमाल कर पाएंगे। जबकि मॉरीशस के लोग भारत में भी यूपीआई पेमेंट कर पाएंगे। वहीं भारत के लोग दोनों देशों में पीआई के जरिए पेमेंट कर सकेंगे। हाल ही फ्रांस में भी यूपीआई सर्विस की शुरुआत हुई है। अब लोग यूपीआई के जरिए एफिल टावर के लिए टिकट बुक कर सकेंगे।

पीएम मोदी ने एक लाख अपॉइंटमेंट लेटर बांटे

कहा- पहले नियुक्ति में देरी कर रिश्तवा का खेल होता था, हमने प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को रोजगार मेले के तहत 1 लाख से ज्यादा लोगों को अपॉइंटमेंट लेटर बांटे। 2024 लोकसभा चुनाव से पहले केंद्र सरकार का यह 12वां और आखिरी रोजगार मेला है। पीएम ने दिल्ली में कर्मयोगी भवन की भी आधारशिला रखी। यह परिसर मिशन कर्मयोगी के बीच सहयोग और तालमेल को बढ़ावा देगा।



कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए पीएम मोदी बोले- आज हर युवा जानता है कि अगर वह कड़ी मेहनत करे तो वह अपने लिए जगह बना सकता है। 12014 से हम युवाओं को विकास में भागीदार बनाने का प्रयास कर रहे हैं। हमने पिछली सरकार की तुलना में 1.5 प्रतिशत अधिक नौकरियां दी हैं। मोदी ने कहा- पहले नौकरी के लिए विज्ञापन जारी होने से लेकर नियुक्ति पत्र देने तक बहुत लंबा समय लग जाता था। इस देरी का फायदा उठाकर उस दौरान रिश्तवा का खेल भी जमकर होता था। हमने भारत सरकार में भर्ती की प्रक्रिया को अब पूरी तरह पारदर्शी बना दिया है।

पहुँच मार्ग बनने से प्रदेश के विकास को और मिलेगी गति : स्कूल शिक्षा मंत्री



भोपाल (नप्र)। स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में पहुँच मार्ग बनने से प्रदेश के विकास को और गति मिलेगी। मंत्री श्री सिंह रविवार को नरसिंहपुर जिले के तेन्दुखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मेहदा में 3 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले पहुँच मार्ग का भूमिपूजन करने के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गाँवों के समग्र विकास के लिये संकल्पित है। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि जिले में सभी निर्माणधीन कार्य गुणवत्ता के साथ नियत समय में पूरे किये जायेंगे। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को विकास कार्यों की सतत समीक्षा करने के निर्देश भी दिये। इस मौके पर मंत्री श्री सिंह ने ग्राम डोभी में पब्लिक स्कूल के समाने मिनी स्टेडियम निर्माण के लिये 25 लाख रुपये और डोभी- गुटौरी तिराहे पर पहुँच मार्ग निर्माण के लिये एक

करोड़ 25 लाख रुपये की घोषणा की। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि पहुँच मार्ग बन जाने से ग्रामीणों को आवागमन में राहत मिलेगी। कार्यक्रम को विधायक श्री विश्वनाथ पटेल ने भी संबोधित किया। बच्चों का कौशल उन्नयन भी करेगी नई शिक्षा नीति- स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा है कि राज्य सरकार नई शिक्षा नीति को समय बद्ध रूप से प्रदेश में लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति अच्छी शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि कौशल उन्नयन भी करेगी। मंत्री श्री सिंह ग्वालियर में सेठ एमआर जयपुरिया के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग सरकारी स्कूलों के साथ-साथ प्राइवेट स्कूल के विकास के लिये प्रतिबद्ध है। उन्होंने समारोह में प्रदेश में संचालित सोपम राईज स्कूल और पीएम स्कूल के संचालन व्यवस्था की जानकारी दी।

गैर भाजपा शासित राज्यों में रणनीति बनाएंगे शिवराज

पश्चिम बंगाल, ओडिशा के दौरे पर, लोकसभा चुनाव की बैठक करेंगे

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान गैर भाजपा शासित राज्यों में लोकसभा चुनाव की रणनीति बनाएंगे। शिवराज आज सोमवार को पश्चिम बंगाल और ओडिशा में एक दिवसीय दौरे पर हैं। यहाँ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और नवीन पटनायक के क्षेत्र में बैठकें करेंगे। शिवराज कोलकाता में चुनाव प्रबंधन समिति की बैठकों में शामिल हो रहे हैं। इसके बाद हावड़ा के जिला भाजपा कार्यालय में बृथ अध्यक्षों की बैठक को संबोधित करेंगे। शाम को कोलकाता में स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद रात्रि विश्राम करेंगे। मंगलवार सुबह कोलकाता से ओडिशा के भुवनेश्वर पहुँचकर लोकसभा चुनाव की बैठकों में शामिल होंगे।

दक्षिण के राज्यों का दौरा कर चुके हैं शिवराज - पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान केंद्र सरकार द्वारा चलाई गई विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रमों में दक्षिण भारत के तीन राज्यों में शामिल हो चुके हैं। वे तेलंगाना, केरल और तमिलनाडु गए थे। 26 जनवरी को इस यात्रा का समापन हो गया।

पब्लिक कनेक्ट इमेज का फायदा लेगी पार्टी- राजनीतिक जानकार मानते हैं कि शिवराज



सिंह चौहान का पब्लिक से जुड़ने का अंदाज सबसे अलग है। 18 साल तक मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने मामा और भाई की जो इमेज बनाई है, उसे न केवल मध्यप्रदेश बल्कि देश के अन्य राज्यों में भी सराहा जाता है। मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद भी वे किसी भी राज्य के दौरे पर जाते हैं तो वहाँ बच्चों और महिलाओं से एमपी की तरह ही मिलते हैं। उन्हें दक्षिण के राज्यों में भी बच्चों ने मामा

कहकर संबोधित किया। बीजेपी शिवराज की इस इमेज को अब उन राज्यों में उपयोग करने जा रही है, जहाँ गैर भाजपाई सरकारें हैं। पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान की दो दिन पहले संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात हुई है। गुरुवार को शिवराज अपने विधानसभा क्षेत्र बुधनी के लाडकुई में गाँव चलो अभियान के तहत रात्रि विश्राम करने वाले थे।

दुनिया भारत की ओर बड़ी आस से देख रही : मोहन भागवत

बोले- हमें अब एकता और सद्भाव के साथ करना होगा राष्ट्र का निर्माण

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को लोगों से एकता, अहिंसा और सद्भाव के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत में दर्शन का उच्चतम स्तर है और दुनिया अपनी समस्याओं के समाधान के लिए हमारी ओर देख रही है। भागवत ने जैन तीर्थंकर महावीर के 2550वें 'निर्वाण' वर्ष के उपलक्ष्य में यहाँ आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में लोग अपनी भौतिकवादी जीवन शैली के कारण पीड़ित हैं। उन्होंने कहा, दुनिया अब अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद



से भारत की ओर देख रही है, क्योंकि उन्हें एहसास हो गया है कि उनकी भौतिकवादी जीवन शैली उन्हें वह खुशी नहीं देती जो हर कोई चाहता है।

अहिंसा का पालन करें

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भौतिकवादी चीजों में कोई खुशी नहीं है। भागवत ने कहा कि सभी के साथ सौहार्दपूर्वक रहे, अहिंसा का पालन करें, धैर्य रखें, चोरी न करें, यही जाने का मूल आधार है।

राहुल बोले- अग्निवीर योजना युवाओं से छल

कोरबा में कहा- जीएसटी, नोटबंदी से पूंजीपतियों को फायदा; कटघोरा में बुनकरों-वकीलों से मिले

कोरबा (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा कोरबा के सीतामणि चौक से शुरू हो होकर ट्रांसपोर्ट नगर पहुँची। यहाँ राहुल ने गांधी ने चौक पर जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान राहुल ने ओबीसी, जीएसटी, अग्निवीर योजना का जिक्र कर मोदी पर हमला बोला।

राहुल ने ये भी कहा कि अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में 74 फीसदी आबादी वाले ओबीसी, दलित, आदिवासियों को



नहीं बुलाया गया। वहाँ बड़े-बड़े पूंजीपति और फिल्म स्टार गए।

छत्तीसगढ़ से राहुल गांधी का रिश्ता पुराना- पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ से राहुल गांधी का रिश्ता पुराना है। राहुल गांधी यहाँ आते रहे हैं। देश के विकास में सबकी भागीदारी है। हम सब देश को भाईचारे के साथ आगे बढ़ाना चाहते हैं।



राज्यों में डिप्टी सीएम की नियुक्ति असंवैधानिक नहीं

● सुप्रीम कोर्ट ने कहा- यह सिर्फ एक ओहदा, कोई अतिरिक्त लाभ भी नहीं मिलता

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि राज्यों में डिप्टी सीएम की नियुक्ति संविधान के खिलाफ नहीं है। यह सिर्फ एक ओहदा है, जो वरिष्ठ नेताओं को दिया जाता है। इस पद पर नियुक्त व्यक्ति को कोई अतिरिक्त फायदा भी नहीं मिलता।

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाइ चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच सोमवार को एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। बेंच ने कहा- सरकार में पार्टियों के गठबंधन या अन्य वरिष्ठ नेताओं को अधिक महत्व देने के लिए यह प्रक्रिया अपनाई जाती है। बेंच ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि डिप्टी सीएम की नियुक्ति को किसी भी तरह से असंवैधानिक नहीं कहा जा सकता। डिप्टी सीएम राज्य सरकार में पहला और सबसे अहम मंत्री होता है। सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका पब्लिक पॉलिटिकल पार्टी ने लगाई थी। याचिका में दावा किया गया था कि संविधान में डिप्टी सीएम जैसा कोई पद नहीं है। यह संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) का उल्लंघन है। ऐसी नियुक्ति एक गलत उदाहरण पेश करती है। याचिका में इस बात का भी दावा किया गया था कि डिप्टी सीएम को मुख्यमंत्री की मदद के लिए नियुक्त किया जाता है।



महाराष्ट्र के पूर्व सीएम अशोक चव्हाण ने कांग्रेस छोड़ी

एक-दो रोज में 13 नेताओं के साथ भाजपा जॉइन कर सकते हैं

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने सोमवार को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने विधायक पद भी छोड़ दिया है। अशोक चव्हाण

नावेंकर को इस्तीफा सौंपा। इससे पहले मिलिंद देवड़ा ने 14 जनवरी तो बाबा सिद्धीकी ने 8 फरवरी को कांग्रेस छोड़ दी थी। अशोक चव्हाण के इस्तीफे के बाद महाराष्ट्र के एक अन्य कांग्रेस नेता अमरनाथ राजुकर ने भी इस्तीफा दे दिया। वहीं फडणवीस बोले- आगे-आगे देखिए होता है क्या। सुत्रों के मुताबिक अशोक चव्हाण 13 बड़े नेताओं के साथ भाजपा जॉइन कर सकते हैं। इसके साथ ही महाराष्ट्र में सियासी हलचल तेज हो गई है। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेन्द्र फडणवीस, भाजपा नेता आशीष शेलार भाजपा दफ्तर पहुंचे।



सीएम योगी ने ग्राम परिक्रमा यात्रा का शुभारंभ किया

बोले- मुजफ्फरनगर में दंगे होते थे... अब कोई कर सकता है? पहले नौकरी के नाम पर ठगा गया

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। डबल इंजन सरकार जो कहती है वो करके दिखाती है। पहले मुजफ्फरनगर में दंगे होते थे कई दिन तक दंगे चलते थे। कई नेता भी जेल में थे। अब कोई दंगा कर सकता है क्या? पहले की सरकारें युवाओं की नौकरी को ठगा करती थी। आज पुलिस के 60 हजार पदों पर नियुक्ति भर्ती हो रही है। यह बातें सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को मुजफ्फरनगर जिले के शुक्रताल में कहीं। उन्होंने यहाँ ग्राम परिक्रमा यात्रा का शुभारंभ किया। सीएम योगी ने अपने भाषण की शुरुआत राम मंदिर निर्माण से और अंत जय-जय श्रीराम के साथ किया। उन्होंने कहा कि 500 साल का ये सपना पूरा हुआ। अब अयोध्या में हर दिन लाखों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। मंच पर पहुंचने के दौरान बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी को हल का प्रतीक दिया गया।



योगी बोले- मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे

सीएम योगी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार का श्रेय किसानों को जाता है। हमने मुफ्त बिजली के लिए व्यवस्था की। सरधाना में खेल युनिवर्सिटी बनने का काम शुरू हो गया है। गन्ना मूल्य के बकाया पर बात करते हुए उन्होंने कहा पहले 7 प्रतिशत बकाया भुगतान था। लेकिन अब 99 प्रतिशत गन्ना भुगतान किया जा रहा है। 119 चीनी मिलों में से 105 मिलें ऐसी हैं, जो 100 प्रतिशत भुगतान कर चुकी हैं।

इंदौर में तेज रफ्तार कार और बाइक सवार 2 की मौत

● स्पीड इतनी कि 4 पलटी खा गई कार; एक इंजीनियर सहित 2 गंभीर

इंदौर (नप्र)। इंदौर में तेज रफ्तार से देर रात दो सड़क हादसे हो गए। एक हादसे में एक इंजीनियर की मौत हो गई तो दूसरा घायल है। वहीं दूसरे हादसे में एक छात्र की मौत हो गई। दूसरा साथी भी गंभीर है। तेजाजी नगर पुलिस के अनुसार शनिवार रात 3 बजे दो इंजीनियर कौस्तुभ (29) पिता मिलिंद लांबे निवासी साई नाथ कॉलोनी और प्रशांत द्विवेदी (28) निवासी सिलिकॉन सिटी कार से घर लौट रहे थे।



रालामंडल बायपास पर उनकी कार अनियंत्रित होकर चार पलटी खाते हुए खेत में पलट गई। कौस्तुभ की मौत हो गई। प्रशांत घायल है। परिजन अश्वय ने बताया कि मोड़ पर सामने से आ रही गाड़ी की रोशनी पड़ने से कौस्तुभ संतुलन खो बैठे और कार पलट गई। दोनों घायल हो गए। होश में आने पर प्रशांत लिफ्ट लेकर थाने पहुंचा। पुलिस कौस्तुभ को लेकर अस्पताल पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दोनों एक कंपनी में इंजीनियर थे। कौस्तुभ प्रोजेक्ट मैनेजर था।

जन्मदिन मनाकर लौट रहे युवकों की बाइक को मारी टक्कर, एक की मौत

इधर, एक अन्य हादसा शनिवार देर रात 1 बजे बेटमा-रावत रोड पर हुआ। जहां एक छात्र की मौत हो गई, जबकि दूसरा जख्मी है। संयोगितांग पुलिस के अनुसार मृतक 18 वर्षीय चेतन वर्मा निवासी चिकलौडा तहसील देपालपुर है, जबकि अजय (17) गंभीर रूप से घायल है। फुफेरे भाई कल्याण वर्मा ने पुलिस को बताया कि चेतन 12वीं कक्षा में था। वह शनिवार रात को दोस्तों के साथ बेटमा आया था।

नए पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता ने चार्ज संभाला

● सोमवार सुबह कमिश्नर ऑफिस पहुंचे, उनके साथ पूर्व कमिश्नर भी थे

इंदौर (नप्र)। नए पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता ने सोमवार को पदभार ग्रहण कर लिया। सुबह करीब 11.30 बजे के बाद वे पलासिया स्थित पुलिस आयुक्त कार्यालय पहुंचे। पूर्व कमिश्नर मकरंद देउस्कर भी उनके साथ थे। 1999 बैच के आईपीएस अधिकारी राकेश गुप्ता अभी इंदौर रेंज के आईजी हैं। राकेश गुप्ता इंदौर में एसएसपी भी रह चुके हैं। वो शहर के तीसरे पुलिस आयुक्त होंगे।



खड़ी कराई गंग का किया था खात्मा- इंदौर डीआईजी रहते हुए राकेश गुप्ता ने इंदौर में सियागंज की खड़ी कराई गंग पर नकेल कसी थी। इस दौरान कोतवाली इलाके में एक बोहरा व्यापारी हत्याकांड को भी कुछ घंटों में सुलझाया था। वहीं इंदौर के हाई प्रोफाइल केस डॉक्टर के बेटे के अपहरण और हत्याकांड में भी आरोपी को पकड़कर उसे जेल भिजवाया था।

देउस्कर रिलीव, बनेंगे बीएसएफ आईजी

इंदौर के पूर्व पुलिस कमिश्नर मकरंद देउस्कर प्रतिनियुक्ति पर बीएसएफ में आईजी बनाए गया है। यह नियुक्ति उन्हें पांच साल के लिए दी गई है। इंदौर पुलिस कमिश्नर रहे 1997 बैच के सीनियर आईपीएस अफसर मकरंद देउस्कर को गृह विभाग में शुक्रवार को रिलीव कर दिया है। वह पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू होने के बाद भोपाल के पहले पुलिस कमिश्नर भी रहे।

इंदौर के तीन मंदिरों को चोरों ने बनाया निशाना

● हीरानगर पुलिस को मिले सीसीटीवी फुटेज; तीन चोर सहित चौकीदार हिरासत में



इंदौर (नप्र)। इंदौर के हीरानगर में चोरों ने एक के बाद एक तीन मंदिरों को निशाना बनाया है। पुलिस को आरोपियों के मंदिर में घुसते हुए सीसीटीवी फुटेज मिले हैं। इस आधार पर तीन चोर और एक चौकीदार को हिरासत में लिया है। हीरा नगर पुलिस के मुताबिक ईश्वर शर्मा के साथ सुरेश चौधरी व अन्य हीरा नगर थाने पहुंचे। उन्होंने बताया कि स्कीम नंबर 136 सेक्टर ममलेश्वर महादेव मंदिर में पुजायी हैं। वे शनिवार को ताला लगाकर मंदिर से गए थे। रविवार सुबह जब नियमित पूजा के लिए मंदिर पहुंचे तो यहाँ का गेट खुला मिला। आसपास देखने पर दान फेटी गायब मिली। इसके बाद मंदिर प्रबंधन के लोगों को सूचना दी। मंदिर के सीसीटीवी फुटेज में चोर अंदर घुसते हुए दिखे।

दो और मंदिरों को बनाया निशाना

रहवासियों ने बताया कि उन्हें जानकारी लगी कि आरोपियों ने महाकालेश्वर मंदिर एमआर 10 और सिद्धेश्वर महादेव मंदिर आदर्श मॉलिक नगर में भी चोरी की है। पुलिस के मुताबिक उन्हें फुटेज मिले हैं। पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर तीनों चोर करण, अर्जुन, जमरु और एक चौकीदार को हिरासत में लिया है। इनसे पूछताछ की जा रही है।

इंदौर में ठण्ड के तेवर दिन में तेज

हवा की रफ्तार बढ़ी तो दिन का पारा एक डिग्री लुढ़का

इंदौर (नप्र)। इंदौर में दिन और रात के तापमान में उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। दिन में 17 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवा से मौसम में ठण्डक थुल गई। इस दौरान तापमान में एक डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई। रात का तापमान 1 डिग्री ज्यादा रहा। मौसम वैज्ञानिकों ने अभी एक-दो ऐसा ही मौसम बने रहने के आसार जताए हैं।

दो दिन पहले दिन का तापमान 26.2 (-2) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। इसके रविवार को दिन में कंपकंपी महसूस होती रही। इस दौरान तापमान 25.5 (-3) डिग्री सेल्सियस रहा। रात का तापमान 14.5 (+3) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इस बार फरवरी के 11 दिनों में दिन का तापमान सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा ही रहा है। सिर्फ 8 फरवरी को तापमान 13.1 (-1) डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सोमवार सुबह मौसम साफ था। इस दौरान 15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवा के दौरान कंपकंपी रही। सीनियर वैज्ञानिक डॉ. वेद प्रकाश सिंह के मुताबिक दक्षिणी गुजरात के आसपास साइकॉनिक सर्कुलेशन सिस्टम और ट्रफ लाइन गुजर रही है।



इंदौर में विश्व हिंदू परिषद ने दिया ज्ञापन

इंदौर (नप्र)। विश्व हिंदू परिषद इंदौर विभाग इंदौर कलेक्टर को मृत गोवंश के समाधि स्थल प्रदान करने हेतु ज्ञापन दिया। विश्व हिंदू परिषद के इंदौर विभाग संगठन मंत्री अभिषेक उदैनिया ने बताया कि वर्तमान में गोवंश की मृत्यु के बाद खुले में गोवंश का शरीर सड़ने से दुर्गंध एवं बीमारी फैलती है। अगर हम मृत गोवंश का उपयोग समाधि खाद के रूप में करते हैं तो हमें अनेकों प्रकार के फायदे होंगे। गोवंश की समाधि खाद 6 एकड़ भूमि के लिए पर्याप्त है। समाधि खाद में खेतों के लिए बड़ी मात्रा में आवश्यक तत्व पोटेशियम, नाइट्रोजन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, सल्फर बोरान एवं जिंक सहित 16 तत्व निकलते हैं जो भूमि वह पर्यावरण के लिए बहुत उपयोगी है।

शादी वाले घर में छाया मातम

इ्यूटी जाते समय पिता की मौत, 14 फरवरी को होना है दो बेटियों की शादी

इंदौर (नप्र)। इंदौर के गांधी नगर इलाके में रहने वाले निगम मस्टरकर्मों की मौत हो गई। मां की मौत के बाद एक महीने पहले ही उनकी अनुकंपा नियुक्ति हुई थी। रात में वह गार्डन पर भी काम करते थे। बताया जाता है कि काम पर जाने के दौरान उन्हें किसी वाहन ने टक्कर मार दी। उनकी दो बेटियों की 14 फरवरी को शादी होना है। जिसकी तैयारी चल रही थी।

पुलिस के मुताबिक घटना गांधी नगर की है। यहां रहने वाले संतोष (50) पुत्र रामचंद्र वैध निवासी नया बसेरा बाइक से गोमटगिरी स्थित गार्डन जाते समय हादसे का शिकार हो गए। संतोष को रात में लोगों ने घायल पड़े देखा और एंबुलेंस से एमवाय अस्पताल भेजा। यहां उनकी मौत हो गई।

एक माह पहले ही लगी थी मां के बदले नौकरी- परिवार से मिली जानकारी के मुताबिक संतोष की मां सफाई कर्मों के पद पर पोस्टेड थीं। उनकी मौत के बाद संतोष को एक माह पहले ही अनुकंपा नौकरी मिली। परिवार ने बताया कि उनकी पहले माह की सैलरी भी नहीं आई।

घर में है दो बेटियों की शादी- संतोष के परिवार में उनकी बेटियां खुशी, धेमा और बिट्टू हैं। खुशी और धेमा की 14 फरवरी को शादी है। पूरा परिवार इसकी तैयारी चल रही थी। खुशी की बारात पलासिया इलाके से आना है। वहीं धेमा की नेवरी पिपल्यागांव के पास शादी पक्की हुई है। यहां खुशियां के



बीच अचानक घर में मातम पसर गया है। संतोष की एक बेटी बिट्टू की भी मानसिक हालत ठीक नहीं। परिवार के बाकी लोग घर से कुछ दूरी पर रहते हैं।

इंदौर के रावजी बाजार में एक घर में लगी आग

इंदौर (नप्र)। रावजी बाजार थाना क्षेत्र में देर रात आगजनी की घटना हो गई। इलाके के एक मकान में आग लगने के कारण लाखों रुपए का सामान जलकर खाक हो गया। घर में बेटियों के दहेज का सामान भी था। जो पूरी तरह जल गया।

घटना के वक परिवार में नहीं था। नजदीक में शादी समारोह में शामिल होने था।

परिवार कपड़ों में प्रेस करने का काम करता है। उस वक घर में 50 ग्राहकों के कपड़े रखे हुए थे। गृहस्थी के सामान के साथ शाहकों के कपड़े भी जल गए। घटना के बाद विधायक गोवू शुक्ला मौके पर पहुंचे। कलेक्टर से फोन पर चर्चा कर पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद की बात कही। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।



इंदौर बायपास से लेकर सुपर कॉरिडोर तक बनेंगी नई सड़कें

निजी जमीनों पर शुरू होगा विकास, बनेगा ट्रांसपोर्ट हब



टाउनशिप, कॉलोनिंगों को भी मिलेगा। आईडीए ने पुरानी सभी योजनाएं समाप्त करके मास्टर प्लान सड़कों के निर्माण के लिए लैंड पुलिंग नीति से जमीन लेकर नगर विकास योजनाएं-टीपीएस तैयार की है। इसके तहत आईडीए टीपीएस में प्रमुख सड़कें, पानी-सीवेज लाइनों का प्राथमरी नेटवर्क, बगीचों व अन्य सुविधाएं निर्माण करके 50 प्रतिशत विकसित जमीन वापस लौटा रहा है।

संपूर्ण योजना विकसित करने में होगी सुविधा- किसान जमीन देने को राजी है। आईडीए के नाम नामांतरण में राजस्व सहिता के नियमों से तकनीकी परेशानी आ रही थी। इसे दूर करने के लिए आईडीए का बोटे दो-तीन साल से पत्राचार चल रहा था। आखिरकार सरकार ने नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर जल्द ही नामांतरण संबंधित आदेश तहसीलदार को देंगे। वर्तमान में नामांतरण आईडीए के पक्ष में नहीं होने से सिर्फ सरकारी जमीन क्षेत्र में ही विकास कार्य शुरू हो सके थे। अब संपूर्ण योजना क्षेत्र विकसित करने में आसानी होगी।

इंदौर (नप्र)। बायपास, सुपर कॉरिडोर और रिंग रोड 1 व 2 के आसपास प्रस्तावित 7 नगर विकास योजनाओं (टीपीएस) में विकास की बड़ी बाधा दूर हो गई है। सरकार ने लैंड पुलिंग योजना में ली जा रही जमीन आईडीए के नाम राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करने के आदेश दे दिए हैं।

अब टीपीएस-1, 3, 4, 5, 8, 9, 10 में मास्टर प्लान की सड़कें व अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर के कार्य तेजी से शुरू होंगे। जमीन मालिक और आईडीए लोगों के लिए प्लॉट, परलैट व व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स की योजना तैयार कर सकेंगे। जिससे इन क्षेत्रों में करीब 3100 एकड़ में आवासीय विकास आकार लेने लगेगा।

3336 करोड़ रुपए खर्च करके होगा विकास - आईडीए 7 योजनाओं में करीब 3100 एकड़ जमीन विकसित कर रहा है। इसमें 3336 करोड़ रुपए खर्च करके इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जाएगा। अलग-अलग योजनाओं में 500 करोड़ से ज्यादा के काम शुरू हो गए या होने की स्थिति में हैं। आईडीए इन योजना क्षेत्रों में छोटे प्लॉट भी तैयार करेगा।

45 किमी सड़कों का निर्माण हो सकेगा

अलग-अलग चौड़ाई की करीब 45 किमी सड़कों का निर्माण सुगमता से हो सकेगा। एमआर 11, 10 और 9 से विकसित हो रहे क्षेत्रों में कनेक्टिविटी आसान होगी। इसका लाभ निजी विकसित हो रही है।

इंटरनल सड़कें जमीन मालिक अपने ले आउट के अनुसार विकसित कर सकेंगे। यह योजनाएं खजराना, कनाड़िया, बिचौली हप्पी, मायाखेड़ी, निपानिया, तलावली चांदा, झलारिया, शकरखेड़ी, कुमेड़ी, लसुड़िया मोरी क्षेत्र में विकास की राह खोलेंगी। खासकर एमआर-12-टीपीएस-8 बनने से बायपास से उज्जैन रोड के बीच आवासीय विकास तेजी से होगा।

इन क्षेत्रों में होगा विकास

योजनाओं के माध्यम से सुपर कॉरिडोर और बायपास के दूसरी ओर आवासीय विकास को गति दी है। इनमें विहित मास्टर प्लान की 18, 24, 30, 36, 45, 60 और 75 मीटर की सड़कों का निर्माण होगा। इंटरनल सड़कें जमीन मालिक अपने ले आउट के अनुसार विकसित कर सकेंगे। यह योजनाएं खजराना, कनाड़िया, बिचौली हप्पी, मायाखेड़ी, निपानिया, तलावली चांदा, झलारिया, शकरखेड़ी, कुमेड़ी, लसुड़िया मोरी क्षेत्र में विकास की राह खोलेंगी। खासकर एमआर-12-टीपीएस-8 बनने से बायपास से उज्जैन रोड के बीच आवासीय विकास तेजी से होगा।

इंदौर में सुमित्रा महाजन को कांग्रेस का ऑफर

लोकसभा चुनाव लड़ें, ताई ने पूर्व सीएम कमलनाथ को माजपा में शामिल होने का दिया था न्योता

इंदौर (नप्र)। सुमित्रा महाजन ने दो दिन पहले जय सियाराम के नारे के साथ पूर्व सीएम कमलनाथ को भाजपा में आने का निमंत्रण दिया था। कांग्रेस ने पलटवार करते हुए लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष और इंदौर की पूर्व सांसद सुमित्रा महाजन को कांग्रेस जाईन करने का ऑफर दे दिया। कांग्रेस के संभागीय प्रवक्ता विवेक खंडेलवाल ने पत्र लिखकर कहा है कि आप कांग्रेस की सदस्यता लें और लोकसभा चुनाव लड़ें।

यह बात लिखी है पत्र में

कांग्रेस प्रवक्ता ने पत्र में लिखा है कि आपने मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को पत्र लिखकर आमंत्रित किया है। आप जय जय सिया राम नारे के साथ भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता प्राप्त करें। महाजन जी हम कांग्रेसजनों का निवेदन है कि, आज देश बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी द्वारा बनाये गये संविधान की हत्या होते हुए देख रहे हैं, आपकी ही भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता इस प्रकार के कृत्य कर रहे हैं। हमारा आपसे निवेदन है। आज देश में संविधान बचाने की जरूरत है। इसलिए आप जय जय सिया राम जय संविधान

बचाओ नारे के साथ नारे को लेकर कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण करें। और कांग्रेस पार्टी की ओर से इंदौर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ें।

इंदौर से 8 बार लगातार सांसद रह चुकी है सुमित्रा महाजन

ताई ने 8 बार की जीत दर्ज: 1989, 1991, 1996, 1998, 1999, 2004, 2009 और 2014। 1989 में उन्होंने पूर्व मंत्री प्रकाशचंद्र सेठी के खिलाफ लोकसभा का चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की।

इसके बाद जीत का सिलसिला शुरू हो गया। अपनी शिक्षा, सौम्यता और साफगोई के लिए प्रसिद्ध सुमित्रा महाजन के नाम एक ऐसा रिकॉर्ड दर्ज है, जिसे तोड़ना लगभग असंभव है। वे देश की एकमात्र महिला सांसद हैं, जो एक ही लोकसभा क्षेत्र से, एक ही पार्टी से लगातार 8 लोकसभा चुनाव जीत चुकी हैं।

ताई के नाम से मशहूर सुमित्रा महाजन के राजनीतिक जीवन 1988 के दशक में शुरू हुआ। वे इंदौर की उपमहापौर चुनी गईं। इसके बाद भाजपा ने उन्हें इंदौर-3 से विधानसभा



का टिकट दिया लेकिन कांग्रेस के महेश जोशी ने उन्हें हरा दिया। राजनीति के जीवन में ये उनकी एकमात्र हार थी। ताई मीरा कुमार के बाद लोकसभा स्पीकर का पद संभालने वाली दूसरी महिला

रही हैं। 12 अप्रैल 1943 को महाराष्ट्र के चिपलुन में जन्मी सुमित्रा महाजन के पिता संघ के प्रचारक थे। 22 साल की उम्र में इंदौर में एडवोकेट रहे स्व. जयंत महाजन से उनका विवाह हुआ। वे खुद एडवोकेट भी हैं।

दृष्टिकोण

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लेखक स्तंभकार हैं।



म की कोई एक परिभाषा नहीं होती, प्रत्येक व्यक्ति के सोच, विचार और स्वभाव के अनुसार प्रेम के अनेक अर्थ होते हैं। प्रेम एक शाश्वत भाव है जो कल भी था, आज भी है और हमेशा रहेगा क्योंकि प्रेम से ही समस्त दुनिया सुगंधित है। संसार में प्रेम एक ऐसा शब्द है जो सृष्टि को जीवंत रखने में सहायक होता है। प्यार की ताकत ही दुनिया की सबसे बड़ी ताकत मानी गयी है। खासकर इस दौर में जब नफरत ने पूरी दुनिया को जकड़ना शुरू कर दिया है। इस दौर में दुनिया में प्रेम का प्रसार अत्यधिक आवश्यक हो गया।

वर्तमान दौर को देखें तो दुनिया में नफरत बढ़ने के बाद युद्ध होने लगे हैं और विभिन्न देशों में धार्मिक कट्टरता इतनी बढ़ रही है जो कि इंसान को नफरत की आग में झुलसाती जा रही है। इन सभी विपदाओं का समाधान प्रेम से किया जा सकता है क्योंकि प्रेम बलिदान सिखाता है, हिंसा करना नहीं सिखाता। प्रेम की शक्ति नफरत की ताकत से हजारों गुना प्रभावशाली होती है। प्रेम एक ऐसा रास्ता है जो कि मस्तिक को नहीं, हृदय को खूता है। मार्टिन लूथर किंग कहते हैं- 'अंधकार से अंधकार नहीं मिटाया जा सकता, यह कार्य प्रकाश ही कर सकता है। इसी तरह नफरत से नफरत को खत्म नहीं किया जा सकता, प्यार से किया जा सकता है। प्यार ही एक ऐसी ताकत है जो दुश्मन को दोस्त बनाने में सक्षम है।'

प्रेम एक अलौकिक अहसास है, जिसे जितने भी शब्दों में बाँधा जाये, कम ही है। प्रेम वह शब्द है जिसकी व्याख्या असंभव है पर इसमें जीवन छुपा है। प्रकृति के कण-कण में प्रेम समाया है। जो प्रेम में है वह निश्चित ही कुछ भी कर सकता है, क्योंकि प्रेम में वह उर्जा होती है जो किसी भी जीव को सक्रिय और सजग बना देती है। यह प्रेम की ऊर्जा हमें सतत नवीन करने हेतु अग्रसर करते चली जाती है। प्रेम की ऊर्जा से ही प्रकृति निरंतर पल्लवित, पुष्पित और फलित होती है। हर रश्मि में प्यार होना बेहद जरूरी है, क्योंकि बिना प्यार और सम्मान के रिश्ते नहीं चल सकते हैं। कविथित्री मोनिका राज प्रेम के बारे में अपनी पंक्तियों में लिखती हैं -

'इश्क हवाओं में कुछ यूँ घुल जाए कि साथ अपना मुकम्मल हो जाए, जब थोड़ा-थोड़ा तुम 'मैं' हो जाओ जब थोड़ा-थोड़ा मैं 'तुम' हो जाऊँ।'
हमारी जिंदगी में प्यार की बहुत महत्ता है। लेकिन प्यार क्या है? इसका अर्थ क्या है? इस बारे में हम लोगों की अपनी-अपनी विचारधारा है। जिस व्यक्ति के जैसे विचार होते हैं उसे प्यार का वैसा ही अर्थ मिलता है। माता-पिता, दोस्त, भाई-बहन, अध्यापक आदि सबसे हमें प्यार मिलता है। ये हमारी सोच ही है कि हम इसे किस नजरिए से देखते हैं। रवींद्रनाथ टैगोर ने कहा है- 'प्रेम केवल एक

समस्त सृष्टि का आधार है प्रेम



भावना नहीं, एकमात्र वास्तविकता है। यह सृष्टि के हृदय में रहने वाला अंतिम सत्य है।'

वास्तव में प्यार एक ऐसा शब्द है, जिसमें कुदरत की कोमल भावनाएं छिपी हैं। प्रेम एक ऐसी नदी है जो कभी समाप्त नहीं होती और इसमें लाखों लोग अपने रास्तों की तलाश करते हैं। प्रेम तो परमात्मा की समीपता का आभास कराता है। प्रेम की डोर पकड़कर हम ईश्वर तक पहुंच सकते हैं। जिसने प्रेम का मर्म जान लिया फिर उसे और कुछ जानने की आवश्यकता नहीं। एरिक फ्रॉम कहते हैं- 'मानव अस्तित्व की समस्या का संतोषजनक और समझदारी भरा जवाब सिर्फ प्रेम है।'

आकर्षण का अपना फलसफा है। प्रेम के इसी जञ्जे को त्योंहार पर्व या उत्सव रूप में वेलेंटाइन डे के रूप में भी मनाया जाते रहते हैं। हालांकि प्रेम का न कोई दिवस होता है और न ही समय। हमारे बीच प्रेम सदैव बने रहना चाहिए। अब वसंतोत्सव से 21 वीं सदी तक प्रेम के इलाके में भारी तब्दीलियां हुई हैं। मोहब्बत का इजहार

करने का रूप भी बदला है। आज अकल्पनीय तकनीकी विकास के साथ जिंदगी की रफ्तार सौ गुनी बढ़ गई और हम चाहते हैं कि प्यार संस्कृत युगीन ही रहे। पुराकाल की लजीली, सजीली अवागुंठिताएं अब कहां! जिनके पदाघात से अशोक फूलता था। लोग उठकर जिनकी का रस लेते थे।

ओशो ने कहा है- 'प्रेम शाश्वत है लेकिन उसे स्थायी बनाने की कोशिश में तुम उसे मार डालते हो।' शाश्वत का अर्थ है- जो निरंतर हो। जो निरंतर होगा वह स्थायी नहीं हो सकता क्योंकि स्थायी में निरन्तरता नहीं होती। शाश्वत अर्थात् नित नूतन, नित नवीन प्रेम अस्थायी है। प्रेम शाश्वत है। वह रोज नए कलेवर में है। उसे स्थायित्व में बंधने कि कोशिश मत करो, नहीं तो वह मर जायेगा, सड़ जायेगा।

साहित्यकारों का मानना है कि प्यार किया नहीं जाता, हो जाता है। प्यार में कोई जोर-जबरदस्ती नहीं चलती। प्यार में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं। जिस तरह एक

लंबे समय तक चलने वाले रिश्ते को बनाने के लिए प्यार जरूरी है, उसी तरह खेह भी। बिना प्यार के प्यार किसी भी रिश्ते को नीरस और बेजान बना सकता है। दूसरे व्यक्ति के प्रति खेह दिखाना अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह हर रिश्ते के लिए सच है। यह एक खुशहाल रिश्ते की कुंजी है। उदाहरण के लिए, माता-पिता अपने बच्चों से प्यार करते हैं। वे बलिदान करते हैं और अपने बच्चों के प्रति निस्वार्थ भाव से उनके प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं। प्यार किसी भी रिश्ते का आधार बनता है, एक खुशहाल रिश्ते के लिए प्यार की भावना ही काफी नहीं है। एक रिश्ते को पोषित करने के लिए कई अन्य चीजों की आवश्यकता होती है। मिसाल के तौर पर, माता-पिता को अपने बच्चों से प्यार करने के अलावा उनके बच्चों को सुरक्षा और सुरक्षा की भावना प्रदान करनी चाहिए।

प्यार बहुत सुकोमल और गुलाबी रिश्ता है, छुई-मुई की नाजुक पतियों की तरह। अंगुली उठाने पर कुम्हला

जाता है यह रिश्ता। इसलिए प्यार करने से पहले अंतर्मान की चेतावनी व परामर्श सुनना, समझना और स्वीकार करना नितांत जरूरी है। अटूट प्यार के लिए उसकी बुनियाद में कुछ विशिष्ट भावों का होना आवश्यक है। सच्चाई, ईमानदारी, परस्पर समझदारी, अमिट विश्वास, पारदर्शिता, समर्पण भावना और एक-दूसरे के प्रति सम्मान जैसे श्रेष्ठ तत्व प्यार की पहली जरूरत है। यह तभी प्राप्त किया जा सकता है जब वे अपनी सभी जिम्मेदारियों को ठीक से पूरा करें। दूसरी ओर बच्चों को न केवल अपने माता-पिता से प्यार करना चाहिए, बल्कि एक स्वस्थ संबंध बनाने के लिए उनका सम्मान करना चाहिए। प्यार लोगों को करीब लाता है और किसी भी रिश्ते को खूबसूरत बनाने की ताकत रखता है। हमें प्यार के महत्व को पहचानना चाहिए और रिश्तों में इसे व्यक्त करने में कभी संकोच नहीं करना चाहिए।

भोगवादी संस्कृति में पल रहा युवा भावों की गहराई को समझ ही नहीं पाता। प्रेम के लिए इस तरह की सोच कितनी सही और कितनी गलत है, इसका फंसला भी खुद युवाओं को ही करना होगा। हम अक्सर देखते हैं कि भारत में प्रेम युगल को हीन भावना से देखा जाता है। प्रेम या प्रणय को हमेशा टैबू या वर्जना बनाकर पेश किया गया है। एक समाज या समुदाय तब अच्छी तरह से कार्य करता है जब उनमें एकजुटता और प्रेम की भावना होती है। जिस समाज में हर कोई एक-दूसरे से नफरत करता हो और दूसरों का विकास न देख पाता हो, वह कभी तरकी नहीं कर सकता। अतः किसी भी समाज या राष्ट्र की प्रगति के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि लोग एक-दूसरे से प्रेम करें। प्रेम विभिन्न जाति, नस्ल, लिंग, समुदाय, धर्म, क्षेत्र आदि के लोगों को एकता के सूत्र में बांधेगा। प्रेम सभी भावनाओं में सबसे गहरा और सबसे सार्थक है।

प्रणय बिना न सृष्टि का अस्तित्व है न कलाओं का प्रेम करने से कोई पापी नहीं हो जाता। विदेशों की तर्ज पर बेशक लवर्स जोन न हों पर संयमित तौर पर इज़हार-ए-मोहब्बत की इजाजत मिलनी चाहिए। फूल की अस्मिता भावना के रंगों से मिलकर मन के आसमान में निश्चय ही इंद्रधनुष खिला सकती है। प्रेम के प्राकृतिक प्रवाह को निबाध रूप से बह जाने दे प्रेम की गंगा को निश्चय ही महक उठेगा आपका जीवन। प्रेम जीवन का खेहक है, और प्रेम के बिना, जीवन की मशीनी घर्षण से गर्म हो जाएगी और 'जब' हो जाएगी; लेकिन प्रेम उन अन्य गुणों का विकल्प नहीं है जो संपूर्ण मानव अस्तित्व के निर्माण के लिए जाते हैं।

'समस्त सृष्टि का आधार है प्रेम सहज, स्वस्फूर्त, निर्विकार है प्रेम देता है हृदय को अद्भुत प्रेरणा मन से अंधकार मिटाता है प्रेम।'

वसंत पंचमी

डॉ. तेज प्रकाश व्यास



वसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती हाथों में पुस्तक, वीणा और माला लिए श्वेत कमल पर विराजमान हो कर प्रकट हुई थीं, इसलिए इस दिन मां सरस्वती की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। साथ ही वसंत पंचमी से ही वसंत ऋतु की शुरुआत होती है। पंचांग के अनुसार प्रत्येक वर्ष माघ माह में शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर वसंत पंचमी का पर्व मनाया जाता है। यह पर्व मुख्य रूप से ज्ञान, विद्या, संगीत और कला की देवी मां सरस्वती को समर्पित है। इस दिन देवी सरस्वती का जन्म हुआ था। मान्यता है कि वसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती हाथों में पुस्तक, वीणा और माला लिए श्वेत कमल पर विराजमान हो कर प्रकट हुई थीं, इसलिए इस दिन मां सरस्वती की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। साथ ही वसंत पंचमी से ही वसंत ऋतु की

जयंती पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

लेखक पत्रकार हैं।



आजादी के राष्ट्रीय आन्दोलन में उल्लेखनीय योगदान देने वाली स्वतंत्रता सेनानियों में 'नाइटिंगेल ऑफ इंडिया' तथा 'भारत कोकिला' के नाम से विख्यात प्रख्यात कविथित्री और देश के सर्वोत्तम राष्ट्रीय नेताओं में से एक सरोजिनी नायडू का नाम सदैव आदर के साथ स्मरण किया जाता है। उनके नाम का जिक्र होते ही एक ऐसी महिला की छवि उभरकर सामने आती है, जिन्हें कई भाषाओं में महारत हासिल थी और जिनकी लिखी कविताएं हर ओर धूम मचाती थी। उन्हीं के सम्मान में उनके जन्मदिवस 13 फरवरी को अब प्रतिवर्ष 'राष्ट्रीय महिला दिवस' के रूप में मनाया जाता है। 13 फरवरी 1879 को हैदराबाद में एक बंगाली परिवार में जन्मी सरोजिनी नायडू की 135वीं जयंती के अवसर पर 13 फरवरी 2014 से देश में राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने की शुरुआत की गई थी और आज समूचा देश उनकी 145वीं जयंती मना रहा है।

सरोजिनी नायडू के पिता अयोराथा चट्टोपाध्याय एक रसायन वैज्ञानिक और निजाम कॉलेज के संस्थापक थे जबकि उनकी माता वरदा सुंदरी बंगाली कविथित्री थीं। सरोजिनी के पिता चाहते थे कि उनकी बेटी भी उन्हीं की भांति महान वैज्ञानिक बने लेकिन सरोजिनी को कविताओं से अगाध प्रेम था, जिसे वह कभी त्याग नहीं सकी। वह बचपन से ही पढ़ाई-लिखाई में बहुत तेज थी और उन्होंने केवल 12 वर्ष की आयु में ही मद्रास यूनिवर्सिटी से मैट्रिक की परीक्षा में शीर्ष स्थान हासिल किया था तथा केवल 13 वर्ष की आयु में ही 1300 पदों की 'लेडी ऑफ द लेक' नामक पहली लंबी कविता और करीब 2000 पंक्तियों का अपना पहला विस्तृत नाटक लिखकर अंग्रेजी तथा अन्य भाषाओं पर अपनी पकड़ का परिचय दिया था। पढ़ाई के साथ-साथ वह कविताएं भी लिखती थी और

मां सरस्वती की पूजा अर्चना विधि

शुरुआत होती है। शास्त्रों के अनुसार वसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती की पूजा करने से मां लक्ष्मी और देवी काली भी प्रसन्न होती हैं। ऐसे में आइए जानते हैं साल 2024 में सरस्वती पूजा यानी वसंत पंचमी की तिथि, पूजा का मुहूर्त और संपूर्ण पूजन विधि:

पंचांग के अनुसार माघ महीने की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि की शुरुआत 13 फरवरी को दोपहर 02 बजकर 41 मिनट से हो रही है। अगले दिन 14 फरवरी को दोपहर 12 बजकर 09 मिनट पर इसका समापन होगा। उदया तिथि 14 जनवरी को प्राप्त हो रही है, इसलिए इस साल वसंत पंचमी का पर्व 14 फरवरी को मनाया जाएगा।

पूजा का शुभ मुहूर्त

14 फरवरी को वसंत पंचमी वाले दिन पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 7 बजकर 1 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 35 मिनट तक रहेगा। ऐसे में इस दिन पूजा के लिए आपके पास करीब 5 घंटे 35 मिनट तक का समय



स्वतंत्रता आंदोलन में थी सरोजिनी नायडू की अहम भूमिका

उनका पहला कविता संग्रह 'द गोल्डन थ्रेशहोल्ड' 1905 में प्रकाशित हुआ, जो आज भी पाठकों के बीच बेहद लोकप्रिय है। अत्यंत मधुर स्वर में अपनी कविताओं का पाठ करने के कारण उन्हें 'भारत कोकिला' कहा जाता था। उन्हें 'शब्दों की जादूगरनी' के नाम से भी जाना जाता था। 14 वर्ष की उम्र में ही उन्होंने लगभग सभी प्रमुख अंग्रेजी कवियों की रचनाओं का अध्ययन कर लिया था।

मेधावी होने के कारण 1895 में हैदराबाद के निजाम ने उन्हें ज्यादा से ज्यादा ज्ञान अर्जित करने के लिए वजीरपुर पर इंग्लैंड भेजा और इस प्रकार केवल 16 साल की उम्र में ही वह उच्च शिक्षा के लिए लंदन चली गईं। पहले लंदन के किंग्स कॉलेज और उसके बाद कैम्ब्रिज के गिरटन कॉलेज में उन्हें अध्ययन करने का अवसर मिला। इंग्लैंड का मौसम अनुकूल नहीं होने के कारण वह 1898 में ही इंग्लैंड से स्वदेश लौट आईं। जब वह इंग्लैंड से लौटी, तब फौजी डॉक्टर डॉ. गोविन्दराजुलु नायडू के साथ विवाह करने को उत्सुक थीं, जिन्होंने तीन साल पहले उनके समक्ष विवाह का प्रस्ताव रखा था। हालांकि शुरू में सरोजिनी के पिता इस शादी के खिलाफ थे लेकिन बाद में 19 साल की उम्र में उनकी शादी डॉ. गोविन्दराजुलु के साथ हो गई।

1914 में जब सरोजिनी नायडू पहली बार राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से मिली, तभी उनके विचारों से प्रभावित होकर वह वतन के लिए अपना सब कुछ न्योछावर करने को तत्पर हो गईं और अपना जीवन देशसेवा में समर्पित कर दिया। 1915 से 1918 तक उन्होंने भारत के स्वतंत्रता आंदोलनों में बह-चढ़कर हिस्सा लिया। आजादी की लड़ाई में संकटों का डटकर मुकाबला करते हुए वह एक वीरगंगा की भांति गांव-गांव, गली-गली घूमकर देश-प्रेम की अलख जगाकर देशवासियों को उनके कर्तव्य की याद दिलाती रहीं। उन्होंने न केवल



गांधीजी के अनेक सत्याग्रह आन्दोलनों में हिस्सा लिया और जीवन-पर्यन्त उनके विचारों तथा मार्ग का अनुसरण किया बल्कि 'भारत छोड़ो आंदोलन' के तहत जेल भी गई थीं। दांडी मार्च के दौरान गांधीजी के साथ अग्रिम पंक्ति में चलने वालों में वह भी शामिल थीं। उनके विनोदी स्वभाव के कारण उन्हें 'गांधीजी के लघु दरबार में विदूषक' भी कहा जाता था। महात्मा गांधी के अलावा सरोजिनी नायडू गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर, गोपाल कृष्ण गोखले, एनी बेसेंट तथा पं. जवाहरलाल नेहरू के साथ भी विशेष रूप से जुड़ी रहीं। गोपाल कृष्ण गोखले को तो वह अपना राजनीतिक

पिता मानती थीं। गांधीजी तो अपने पत्रों में सरोजिनी नायडू को कभी 'डियर बुलबुल' तो कभी 'डियर मीराबाई' और कभी-कभी मजाक में 'अम्माजान' या 'मदर' भी लिखते थे, वहीं सरोजिनी भी गांधीजी को मजाकिया अंदाज में कभी 'जुलाहा' तो कभी 'लिटिल मैन' और कभी 'मिर्की माउस' कहा करती थीं। गांधीजी ने 8 अगस्त 1932 को सरोजिनी नायडू को लिखे एक पत्र में उन्हें 'बुलबुल' नाम से सम्बोधित किया था और उसी पत्र में उन्होंने स्वयं के लिए 'लिटिल मैन' शब्द इस्तेमाल किया था। सरोजिनी काग्रस की पहली महिला अध्यक्ष भी बनीं। वह 1925 में कानपुर में हुए काग्रस

या ब्रह्माच्युत शंकरप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता। सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्यापहम्।
अन्य मन्त्र
शुक्ला ब्रह्मविचार सार परमाम् आद्यां जगदद्यापिनीम्
वीणा-पुस्तक-धारिणीमभयदां जाड्यान्धकारापहाम्॥
हस्ते स्फटिकमालिकां विदधतीम् पद्मासने सन्निताम्।
वन्दे तां परमेश्वरीं भगवतीं बुद्धिप्रदां शारदाम्॥
सरस्वति नमस्तुभ्यं वरदे कामरूपिणी
विद्यारम्भं करिष्यामि सिद्धिर्भवतु मे सदा॥
उक्त मंत्रों से मां सरस्वती पूजा के समय सरस्वती कवच का पाठ भी कर सकते हैं।
आखिर में हवन कुंड बनाकर हवन सामग्री तैयार कर लें और 'ओम श्री सरस्वत्यै नमः स्वहा' मंत्र की एक माला का जाप करते हुए हवन करें।
अंत में सपरिवार या विद्यालय परिवार खड़े होकर मां सरस्वती की आरती करें कविवर सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की रचना। वर दे वीणावादिनि वर दे।

अधिवेशन की अध्यक्ष बनीं और 1932 में भारत की प्रतिनिधि बनकर दक्षिण अफ्रीका भी गईं। अंग्रेजी भाषा पर सरोजिनी की बहुत मजबूत पकड़ थी, लंदन की सभा में अंग्रेजी में बोलकर उन्होंने वहां उपस्थित सभी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया था। बहुभाषाविद सरोजिनी नायडू अपना भाषण क्षेत्रानुसार अंग्रेजी, हिन्दी, बांग्ला अथवा गुजराती भाषा में देती थीं। गांधीजी ने मधुर आवाज और उनके भाषणों से प्रभावित होकर ही उन्हें 'भारत कोकिला' की उपाधि दी थी।

देश की आजादी के बाद सरोजिनी नायडू भारत की पहली महिला राज्यपाल बनीं लेकिन यह पद स्वीकार करते समय उन्होंने कहा था कि वह स्वयं को 'कैद कर दिए गए जंगल के पक्षी' की भांति अनुभव कर रही हैं किन्तु वह पं. जवाहरलाल नेहरू का बहुत सम्मान करती थीं, इसलिए उनकी इच्छा को टाल नहीं सकीं। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों के लिए काफी संघर्ष किया और समाज में फैली कुुरीतियों के प्रति महिलाओं को जागृत किया तथा भारतीय समाज में जातिवाद, लिंग-भेद को मिटाने के लिए भी उल्लेखनीय कार्य किए। भारत में प्लेग महामारी के दौरान किए गए सराहनीय कार्यों के लिए उन्हें 1908 में ब्रिटिश सरकार द्वारा 'केसर-ए-हिंद' से सम्मानित किया गया था लेकिन जलियांवाला बाग हत्याकांड से क्षुब्ध होकर उन्होंने यह सम्मान वापस कर दिया था। 2 मार्च 1949 को हृदयाघात के कारण लखनऊ में अपने कार्यालय में कार्य करने के दौरान उनका निधन हो गया। सरोजिनी नायडू का निधन 2 मार्च 1949 में हुआ था। भारत सरकार द्वारा उनकी जयंती के अवसर पर उनके सम्मान में 13 फरवरी 1964 को 15 पैसे का एक डाक टिकट जारी किया गया था।

आदिवासी युवक को लात-घुंसों से पीटा, मुर्गा बनाया पीड़ित गिड़गिड़ाता रहा, कांग्रेस ने वीडियो शेयर कर कार्रवाई की मांग की



बैतूल। एक आदिवासी युवक की पिटाई का वीडियो सामने आया है। 2 मिनट 42 सेकेंड के इस वीडियो में दिख रहा है कि एक शख्स युवक को बेहमी से पीट रहा है। घटना शनिवार रात की है। रविवार को वीडियो सामने आने के बाद बैतूल कोतवाली थाने में एट्रोसिटी एक्ट और अन्य धाराओं में एक नामजद और तीन अन्य लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

दो आरोपी- चंचल राजपूत और चंदन सरदार को सोमवार दोपहर करीब डेढ़ बजे गिरफ्तार किया गया। शेष की तलाश की जा रही है। चंचल राजपूत बजरंग दल के नर्मदापुरम सभागा का सह संयोजक है। कांग्रेस ने इस मामले में तत्काल जांच और कार्रवाई की मांग की है।

वीडियो में यह नजर आ रहा...

आरोपी युवक के चेहरे पर कभी घुंसा तो कभी लात मारता है। उसे गालियां देता है। पीड़ित पीटने वाले से गुहार लगाता है। गिड़गिड़ाता है। उसके पैर पड़ता है, लेकिन वह नहीं सुनता है। उसे मारना जारी रखता है। तभी पीछे से किसी की आवाज आती है। वह युवक को मुर्गा बनने के लिए कहता है। युवक मुर्गा बन जाता है। मुर्गा बनने के बाद भी आरोपी उसकी पीट पर हथ की कुहनी से मारता है। तभी उसका साथी उसे मारने से रोकता है। लेकिन वह नहीं मानता है। एस्प्री सिद्धार्थ चौधरी ने बताया कि पुलिस ने पीड़ित युवक का पता लगाया। उसने बताया कि वह एक डीजे वाले के यहां काम करता है। डीजे के मालिक का आरोपी चंचल राजपूत से पुराना रिश्ता था। इसे लेकर ही उससे मारपीट की गई। पीड़ित ने आरोपी चंचल का नाम पुलिस को बताया। बाकी तीन अन्य आरोपियों को वह पहचानता नहीं है।

कांग्रेस ने की तत्काल जांच और कार्रवाई की मांग

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आदिवासी युवक के साथ मारपीट का ये वीडियो सोशल मीडिया में शेयर किया। उन्होंने इस मामले में तत्काल जांच और कार्रवाई की मांग की है।

इनके खिलाफ हुआ मामला दर्ज

कोतवाली टीआई आशीष सिंह पंवार ने बताया कि रविवार को पीड़ित राज डूके उम्र 22 साल निवासी खंजनपुर दादजी मंदिर के पास ने शिकायत की थी कि चंचल सिंह राजपूत, डेन एवं चंदन सरदार के द्वारा उसका रास्ता रोककर सुभाष स्कूल के पास से अपहरण कर उसे स्वर्कार्पियो पर उतारा गया और लखी चौक के पास एक पान की दुकान के सामने शनिवार की देर रात पिटाई की। पुलिस ने इस मामले में तीनों आरोपियों के खिलाफ धारा 294, 323, 506, 34, 341, 365 और एस्प्री, एस्पटी एक्ट के तहत मामला कायम कर आरोपी चंचल सिंह राजपूत एवं चंदन सरदार को गिरफ्तार कर आज न्यायालय में पेश किया है। आरोपी चंचल सिंह राजपूत बजरंग का पदाधिकारी है।

पुरानी घटना से जुड़ा है मामला

टीआई आशीष सिंह पंवार ने बताया कि 8 फरवरी को चंचल सिंह राजपूत निवासी रातामाटी ने कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी कि बस स्टैंड के पास आरोपी गुरू चित्रार, अंकित चित्रार, नंदी झरबड़े एवं नावेद खान के द्वारा उसके साथ मारपीट की गई है। इस मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 294, 323, 506, 34 का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इस मामले में भी गुरू चित्रार एवं नंदी झरबड़े को न्यायालय में उपस्थित होने हेतु धारा 41 का सूचना पत्र तामिल कराया गया है। अन्य दो आरोपी अंकित चित्रार और नावेद खान घटना के दिन से फरार हैं जिसके कारण उन्हें सूचना पत्र तामिल नहीं कराया गया।

हायर सेकेंडरी परीक्षा में पलाइंग स्टाड ने बनाए पांच नकल प्रकरण

बैतूल। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कृशवाह ने बताया कि हायर सेकेंडरी प्रमाण पत्र 2024 अंतर्गत सोमवार को कक्षा 12वीं के भौतिक शास्त्र, अर्थशास्त्र, एनिमल हसबैंडरी एंड पोल्ट्री फार्मिंग, भारतीय कला का इतिहास, विज्ञान के तत्व इत्यादि वैकल्पिक विषयों की परीक्षा में पांच नकल प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं। हायर सेकेंडरी के लिए बनाए गए 113 परीक्षा केंद्रों पर कुल 16797 परीक्षार्थियों को सम्मिलित होना था, जिनमें से 16347 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। 450 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। राजस्व विभाग के पलाइंग दस्ते द्वारा कन्या उमावि चिचोली परीक्षा केंद्र पर 3, धाना उमावि स्थित परीक्षा केंद्र पर केंद्र अध्यक्ष द्वारा 1 और गुरुवा पिपरिया उमावि स्थित परीक्षा केंद्र पर जिला स्तरीय उडन दस्ते द्वारा 1 इस प्रकार कुल 5 प्रकरण पंजीबद्ध हुए। यह पांचों नकल प्रकरण भौतिक शास्त्र विषय के परीक्षार्थियों के बने हैं। इस दौरान विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर उडन दस्तों द्वारा सतत एवं सख्त आकस्मिक निरीक्षण जारी रहे। उडन दस्तों द्वारा उमावि नांद, गुरुवा पिपरिया, बांसपानी, पाडर, उत्कृष्ट शाहपुर, भीरा, धपाडा, उत्कृष्ट आ, छवल, कन्या भेसदेही, बालक भेसदेही, उत्कृष्ट भीमपुर, कन्या चिचोली, नसीराबाद, चूडिडां, जुवाडी, रायआमला, तिवरखेड, अमरावती घाट, बिरुल बाजार, बालक शाहपुर, मांडल शाहपुर, सुभाष उमावि कोठी बाजार बैतूल, और एन बी एच एस उमावि बैतूल स्थित परीक्षा केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। हाई स्कूल प्रमाण पत्र परीक्षा अंतर्गत 13 फरवरी 2024 को गणित विषय की परीक्षा आयोजित होगी।

आज ठहाकों से गूंजेगा जेएच कॉलेज का अटल सभागार

स्टैंड अप कॉमेडी किंग वैभव गुप्ता बिखरेंगे हंसी के रंग, प्रसिद्ध कविताओं की दी जाएगी प्रस्तुति

उत्तम दीक्षित फेसबुक दोस्त के तत्वावधान में आयोजित होगा सम्मान समारोह

बैतूल। जेएच कॉलेज का अटल सभागार आज ठहाकों से गूंजेगा। आज मंगलवार 13 फरवरी को शाम 7 बजे से आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर के कवि, स्टैंड अप कॉमेडी किंग वैभव गुप्ता पुणे अपनी कविताओं के माध्यम से हंसी के रंग बिखरेंगे। उल्लेखनीय है कि जेएच कॉलेज के अटल सभागार में उत्तम दीक्षित फेसबुक दोस्त सम्मान समारोह का आयोजन किया रहा है। इस अवसर पर राष्ट्रीय कवि वैभव गुप्ता को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम में सामाजिक सांस्कृतिक एवं चिकित्सा क्षेत्र से जुड़ी महान हस्तियों को सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम के आयोजक उत्तम दीक्षित ने बताया कि इसके पूर्व भी वे 5 फेसबुक सम्मान समारोह आयोजित कर चुके हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य फेसबुक दोस्तों को एक दूसरे के करीब लाना है।

उन्होंने बताया कि वैभव गुप्ता सुप्रसिद्ध कवि हैं। शैलीश लोहा के वाह भाई वाह कार्यक्रम के अतिरिक्त इंदौर के कार्यक्रम में भी दोनों की ट्यूनिंग बहुत अच्छी रही थी। भोपाल के रविंद्र भवन में भी वैभव गुप्ता का कार्यक्रम शानदार रहा था। 6 फरवरी को ही मुंबई में साइबर क्राइम समिट में भी वैभव गुप्ता ने सबका मन मोह लिया था। अब बैतूल को यह गौरवशाली अवसर प्राप्त हो रहा है।

चिकित्सा क्षेत्र में इनका होगा सम्मान- आज के कार्यक्रम में चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े रेड क्रॉस सोसाइटी अध्यक्ष डॉ. अरुण जयसिंगपुरे, एमडी मेडिसिन डॉ. रोहित पराते, डॉ. रानू वमां का सम्मान किया जाएगा। बता दें कि डॉ. अरुण जयसिंगपुरे के अथक प्रयासों से जिला अस्पताल बैतूल में पहली बार आईसीयू चालू किया गया है। इसके पहले गंधी मरीजों को मेडिकल कॉलेज भोपाल रेफर कर दिया जाता था। तब मरीज के



रिस्तेदार प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज कराने को मजबूर हो जाते थे। कई मरीजों की भोपाल पहुंचने के पहले ही मौत हो जाती थी। जिला अस्पताल में आईसीयू हो जाने के बाद जिले की जनता को यहीं इलाज करने की सुविधा प्राप्त हो चुकी है। आईसीयू के संचालन में डॉ. रोहित पराते एमडी मेडिसिन की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके अलावा कोरोना के समय डॉ. रानू वमां ने लगातार कई दिनों तक अस्पताल में ही निवास कर सैकड़ों मरीजों की जान बचाने में मदद की, और वह फेसबुक पर भी लगातार बने रहते हैं। इन चिकित्सकों के इसी सेवा कार्य को देखते हुए कार्यक्रम में इन्हें सम्मानित किया जाएगा।

धार्मिक, सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी इन हस्तियों का भी होगा सम्मान - कार्यक्रम में समाजसेवी राजा ठाकुर, प्रमोद शुक्ला एवं उनकी पत्नी प्रियंका शुक्ला, बिजासन माता मंदिर बैतूल गंज के संचालक दीपक

शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार घनश्याम राठौर, जाने-माने स्पीकिंग विशेषज्ञ, आर्ट ऑफ पब्लिक स्पीकिंग के संचालक प्रमोद दुबे भोपाल को सराहनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि समाजसेवी राजा ठाकुर के अथक प्रयासों से विगत दिनों 152 लोगों की हिंदू समाज में वापसी हुई है। इसी तरह फेसबुक पर सक्रिय रहने वाले प्रमोद शुक्ला एवं उनकी पत्नी प्रियंका शुक्ला द्वारा 12 से अधिक बेटियों को पढ़ा लिखा कर योग्य बनाकर उनका विवाह किया गया। शुक्ला दंपति विगत 30 वर्षों से समाज सेवा के कार्यों से जुड़े हुए हैं। दो कन्याओं का उन्होंने कन्यादान भी किया है। वहीं बिजासन माता मंदिर बैतूल गंज के संचालक दीपक शर्मा धार्मिक कार्यों में सक्रियता से जुड़े हुए हैं। इनके नेतृत्व शहर में कई बड़े धार्मिक आयोजन संपन्न हुए हैं। इसी तरह बैतूल शहर के अभिनंदन सरोवर पर स्वच्छता अभियान चलाने में बैतूल के वरिष्ठ पत्रकार घनश्याम राठौर की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जिले का नाम, मान सम्मान बढ़ाने में भारत के जाने-माने स्पीकिंग विशेषज्ञ प्रमोद दुबे भोपाल सहित फेसबुक दोस्तों को कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा।

गाँव चलो अभियान के तहत बैतूल विधायक ने साकादेही में किया रात्रि विश्राम

हर वर्ग के मतदाताओं से सम्पर्क कर जनकल्याणारी योजनाओं की दी जानकारी

भाजपा के पक्ष में मतदान कर ऐतिहासिक वोटों से जिताने की अपील की

बैतूल। लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के लिए केन्द्रीय नेतृत्व द्वारा चलाये जा रहे गाँव चलो अभियान के तहत बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने बैतूल विधान सभा क्षेत्र की साकादेही ग्राम पंचायत मुख्यालय में रात्रि विश्राम कर दोनो मतदान केन्द्र अंतर्गत हर वर्ग के मतदाताओं से सम्पर्क कर उन्हे केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। बैतूल विधायक ने पंचायत प्रतिनिधियों के साथ बैठकर ग्राम विकास पर विस्तार से चर्चा कर विकास की कार्य योजना बनाने के लिए सुझाव लिए। उन्होंने ग्राम के वरिष्ठ जनों का सम्मान किया। मंदिरों में पूजा अर्चना कर सभी के सुख समृद्धि की कामना की। बैतूल विधायक ने किसको महिलाओं युवा मतदाताओं की बैठक लेकर शिक्षा, कृषि, रोजगार, महिला सशक्तीकरण के लिए विचार विमर्श किया। ग्राम पंचायत साकादेही में बूथ समिति एवं पत्रा समिति के सदस्यों की बैठक लेकर मतदाता सूचि का अवलोकन किया और भाजपा के पक्ष में 51 प्रतिशत से अधिक मतदान करवाने का संकल्प दिलवाया। बैतूल विधायक ने ग्राम पंचायत साकादेही में गाँव चलो अभियान के तहत सभी वर्गों के मतदाताओं से सम्पर्क कर विकास भारत के लिए आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को ऐतिहासिक मतों से जिताने नरेन्द्र मोदी की पुनः प्रधानमंत्री बनाने की अपील की। बूजुओं का सम्मान किसनों को मोटे अनाज की खेती के लिए किया प्रेरित गाँव चलो अभियान के तहत ग्राम पंचायत साकादेही में रात्रि विश्राम करने बैतूल विधायक शनिवार रात करीब 8 बजे साकादेही पहुंचे। उन्होंने साकादेही ग्राम पंचायत मुख्यालय में बूजुंग ग्रामों का शॉल श्रीफल से सम्मान कर उनके स्वास्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। साकादेही के दोनो मतदान केन्द्रों के किसनों की बैठक लेकर बैतूल विधायक ने खेती बाड़ी को लेकर विस्तार से बातचीत की। उन्होंने किसनों को मोटे अनाज की खेती का महत्व समझाकर कोदो, कुटकी, रागी सहित अन्य मोटे अनाज की खेती करने के लिए प्रेरित किया। साकेदेही के पड़ाव डाना स्थित खेडुपति मंदिर में बैतूल विधायक ने पूजा अर्चना कर सभी की सुख समृद्धि कामना की। लोकसभा चुनाव मे



ऐतिहासिक जीत की बनाई रणनीति बैतूल विधायक ने साकादेही ग्राम में रात में बूथ समितियों एवं पत्रा समितियों की बैठक लेकर मतदाता सूचि का अवलोकन किया। बूथ समिति पत्रा समिति सदस्यों और भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ आगामी लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत के लिए रणनीति बनाकर भाजपा के पक्ष में 51 प्रतिशत से अधिक मतदान करवाने के लिए संकल्प दिलवाया। वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता के यहाँ रात्रि भोज करने के बाद सर्द रात में अलाव तापते हुए ग्रामिणों से गाँव के विकास, युवाओं को रोजगार-मुखी शिक्षा व रोजगार तथा महिलाओं को स्वसहायता समूह के माध्यम से स्वरोजगार दिलावाने उन्नत खेती व खेती से जुड़े व्यवसायों के संबंध में विस्तार से चर्चा की तथा साकादेही में ही रात्रि विश्राम किया। युवाओं -महिलाओं को दिखाई तस्की कि राह रविवार 11 फरवरी को सुबह बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने साकादेही ग्राम के बूथ नम्बर 27 में मध्यप्रदेश आजीविका मिशन से जुड़े 10 महिला स्वसहायता समूहों की महिलाओं की बैठक ली तथा उन्हें समूह के माध्यम से स्वरोजगार का मार्गदर्शन दिया एवं परिवार की आय बढ़ाने के संबंध में उनके सुझाव लिए। उन्होंने महिलाओं को स्वरोजगार के लिए शासन की विभिन्न योजनाओं लोन एवं सबसीडी की जानकारी दी। साकादेही ग्राम में नवमतदाताओं की बैठक लेकर उनसे पढाई, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी एवं भविष्य प्लानिंग को लेकर बैतूल विधायक ने चर्चा कर आवश्यक मार्गदर्शन दिया। उन्होंने नव

मतदाताओं से अपील की कि लोकसभा चुनाव में अपना पहला वोट भाजपा के चुनाव चिन्ह कमल को देकर विकसित भारत के लिए नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाये। ग्राम पंचायत भवन साकादेही में सरपंच, पंच, उपसरपंच, जनपद सदस्य, जिला पंचायत सदस्यों की बैठक लेकर ग्राम विकास विस्तार चर्चा की एवं सभी के सुझाव लेकर विकास की रणनीति बनाई। ग्राम उड्डन के बूथ नम्बर 28 में फिर एक बार मोदी सरकार के तहत दीवार लेखन कर चुनाव चिन्ह कमल का फूल बनाया एवं आम सभा का संबोधित किया। भू अधिकार पत्रों का क्रिया वितरण गाँव चलो अभियान के तहत ग्राम पंचायत साकादेही में रात्रि विश्राम करने के बाद बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने रिविवा को साकादेही में विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करने के बाद आधा दर्जन ग्रामों में दौरा कर ग्रामीणों एवं कार्यकर्ताओं से सखन सम्पर्क किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ड्राबुआ से स्वामित्व योजना से भूअधिकार पत्रों का वितरण कार्यक्रम के तहत बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने ग्राम पंचायत कड़ाई मे 280 परिवारों को भूअधिकार पत्रों का वितरण किया गया। बैतूल विधायक पाडरखुर्द, डोक्या, भयावाड़ी, टेमनी, उड्डन ग्रामों का दौराकर ग्रामिणों को केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी देकर आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को ऐतिहासिक जीत दिलवाकर नरेन्द्र मोदी को पुनः प्रधानमंत्री बनाने की अपील की। इस दौरान भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

गाँव चलो अभियान में दी शासकीय योजनाओं की जानकारी



बैतूल। गाँव चलो अभियान के तहत जवाहर वाई बूथ क्रमांक 113 में कार्यक्रम संपन्न हुए। कार्यक्रम में बूथ अध्यक्ष शंकर चावरिया बूथ महामंत्री नरेश चोपड़े, बीएल सुनील श्रीवास्तव, कार्यक्रम प्रमुख पंकज मिश्रा, बूथ संयोजक सुरेश सावनेर एवं क्षेत्र के नागरिक अमित यादव, संजु सतनकर, अजय सोनी, राजेन्द्र सिंह चौहान (केन्दु बाबा) आदि प्रमुख जागरूक मतदाता उपस्थित थे। शंकर चावरिया के निज निवास पर बैठक में मतदाता सूची का निरीक्षण किया। बड़ी माता मंदिर पीटेल पंप गंज पर और मुख्य मार्ग पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। या पुरुष कुसाभाऊ ठाकरे की प्रतिमा पर फूल अर्पित कर श्रद्धांजलि देकर उन्हें याद किया गया और कांग्रेस मुक्त बैतूल की शपथ ली। वहीं क्षेत्र में घूम-घूम कर सामाजिक लोगों से मुलाकात कर केन्द्र सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही कांग्रेस मुक्त भारत का संकल्प लिया। इस मौके पर बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता और नवमतदाता मौजूद थे।

अदालत के आदेश पर ओवर ब्रिज की मरम्मत, आवेदक पक्ष ने जताया असंतोष, फिर कोर्ट जाने की चेतावनी

बैतूल। बैतूल को नागपुर छोर से जोड़ने के लिए बने ओवर ब्रिज की दिसंबर तक मरम्मत किए जाने के कोर्ट के आदेश के बाद पीडब्ल्यूडी सेतु ने इस पर मरम्मत का काम किया है। लेकिन इस पर याचिकाकर्ता की अधिवक्ता ने असंतोष जताते हुए कोर्ट को अवगत करने की बात कही है। इस मामले को पांच साल पहले समाजसेवी मनीष शुक्ला ने बैतूल की लोकोपयोगी स्थाई लोक अदालत में दर्ज कराया था। निगम ने दो दिन पहले इस ओवर ब्रिज पर मरम्मत का काम करवाया है। पीडब्ल्यूडी सेतु के बैतूल हर्दा प्रभारी हेमंत हिंगवे ने बताया कि यहाँ सरफेस को इम्कू किया है। सरफेज को रेंटिकफाई करके जहाँ जहाँ लंग रहा था वहाँ सरफेस इम्कू किया है। साइड के फुटपाथ के पेंविंग का मटेनेंस करते रहेंगे। जहाँ रेंटिकफिकेशन की जरूरत होगी, वहाँ फिर करवाएंगे। 300 मीटर में काम कराया गया जानकारी के मुताबिक पीडब्ल्यूडी सेतु ने यहाँ 300 मीटर में बिटुमिन कोर्स करवाया है। इसके लिए 16 लाख रु कीमत का टेंडर लगवाया गया था। जिसमें सरफेज की स्केरिंगफाई, सरफेज का रिमूवल, रेंटिकफिकेशन, बिटुमिन



वर्क किया जाना था। इसके लिए विभाग ने युग कॉन्वक्शन को काम दिया था। फिलहाल इस तीन सौ मीटर में करवाया गया है। वादी पक्ष ने जताया असंतोष इस मामले में वादी मनीष शुक्ला के अधिवक्ता गिरीश गं ने बताया की कोर्ट ने इस मामले में ऑर्डर किया था। हालांकि, सेतु शाखा ने आदेश का क्रियान्वयन नहीं किया था। पिछले 26 अगस्त 2022 को अदालत ने लोक निर्माण विभाग से सेतु विंग को इस पुल की दुरुस्ती के लिए आदेश किया था। इस प्रकरण में निष्पादन की कार्यवाही के लिए आवेदक ने व्यवहार न्यायालय वर्ग 2 में प्रकरण दायर किया था। जिस पर लोक निर्माण विभाग सेतु के कार्यपालन यंत्री जावेद शकील अदालत में हजिर हुए थे। यह निष्पादन की कार्रवाई के तहत प्रकरण दर्ज कराया गया था। जिसमें लोक निर्माण विभाग सेतु के कार्यपालन यंत्री जावेद शकील ने अदालत के सामने आक्षानन दिया था कि वे दिसंबर 2023 तक ब्रिज पर मेंस्टिक एस्पल्ट की लेपर बिछाएंगे। इस पर करीब डेढ़ 30 लाख की राशि खर्च होगी।



शिविर का आयोजन किया गया सीपीआर ट्रेनिंग कराई गई जिससे लोगों की जान बचाई जा सकती है उनके द्वार प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण निशुल्क फिजियोथेरेपी शिविर, छोटे विकलांग दिव्यांग बच्चों को निशुल्क फिजियोथेरेपी दिया गया उत्कृष्ट कार्य करने के उपलक्ष्य में इन्हें आज सम्मानित किया गया। जिले में यूनाइटेड हेल्थ के कार्य कर रहे आर्गेनाइजेशन के सम्भाध्यक्ष डॉ योगेश पवार, जिला सचिव डॉ भरत यादव, जिला उपाध्यक्ष डॉ सुजाता सिंह, कैम्प प्रचारि डॉ भारती हजारे को भी भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया जिसमें उपस्थित आज पूरे भारत में यूनाइटेड हेल्थ वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ इंडिया की टीम स्वास्थ सुरक्षा एवम जागरूक के क्षेत्र में कार्य कर रही है इसके अलावा सभी प्रदेश और जिलों के स्कूलों और कॉलेजों में ट्रेनिंग प्रोग्राम का कार्य कर रही है और स्वास्थ विभाग से जुड़े सभी कर्मचारियों को जोड़ने का कार्य किया जा रहा है जिससे सी पी आर ट्रेनिंग, बेसिक लाईफ सपोर्ट की ट्रेनिंग यूनाइटेड के द्वारा दी जा रही है

राधा मोबाइल पर चोरों का धावा, 6 लाख के मोबाइल से भरा बैग लेकर चोर चंपत



सुबह सवेरे सोहागपुर। पलकमती नदी पुल के पास राधा इलेक्ट्रॉनिक मोबाइल की दुकान में चोरों ने शटर को उठाकर चोरों ने चोरी को अंजाम दिया है। इसके पूर्व भी सेमरीहरचंद में चोरी की घटनाएं हुई हैं। आज राधा मोबाइल पर चोरों ने धावा बोल के दुकान में रखे मोबाइल से भरे बैग को लेकर चंपत हो गए। राधा मोबाइल के प्रतीक मालवीय ने सुबह सवेरे संवाददाता को बताया कि दुकान में रखे

करीबन 30 मोबाइल जिसमें वीवो, ओपो, रेडमी, आदि कम्पनियों के मंहो रखे हुए थे। चोरों ने शटर को ऊंचा करके चोरी की गई लग रही है। इसके साथ ही करीबन 20 हजार नगदी की भी चोरी हो गई है। प्रतीक मालवीय ने कहा कि करीबन 6 लाख रुपये का माल था। जो चोरी हो गया। घटना की सोशल मीडिया पर भी खासी चर्चा रही। इधर नगर निरीक्षक चंद्रकांत पटेल ने मौके का मुआयना किया। वहीं नर्मदापुरम से फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने भी घटना की जानकारी लेकर फिंगर प्रिंट लिए हैं।

किसान आंदोलन के नेताओं की गिरफ्तारी अनुचित



सुबह सवेरे सोहागपुर। राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन ने पदाधिकारियों ने किसान आंदोलन के नेताओं की गिरफ्तारी को अनुचित बताया है। इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी बुजेंद्र रावत को किसान नेताओं ने ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में कहा गया है कि किसानों के हित में होने वाले आन्दोलन में स्थानीय नेताओं को हिरासत में लिया जा रहा है जो लोकतंत्र की हत्या है। नेताओं ने इस कृत्य को कड़वा शब्दों में निन्दा की। वहीं गिरफ्तारी किए किसान नेताओं को तत्काल रिहा करने की मांग शासन से की है। इस अवसर पर राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ मध्यप्रदेश के तहसील अध्यक्ष सतीश रघुवंशी, धनराज सिंह, सुरेशकुमार रघुवंशी राजकुमार, खुशी, रामेश्वर पटेल, विक्रम रघुवंशी, नवाबसिंह, लालजी पटेल, केसरी सिंह पटेल, करोड़ी लाल, रामेश्वर पटेल, विक्रम सिंह पटेल यशवतसिंह, पवनसिंह, रामखिलवानसिंह आदि उपस्थित थे।

सीताराम सेवा समिति ने दी एक लाख की राशि

सुबह सवेरे सोहागपुर। सीताराम सेवा समिति के सुनील तिवारी एवं सुधीर तिवारी ने अपने पिता स्वर्गीय रामकृष्ण तिवारी एवं माताश्री श्रीमती कमला बाई तिवारी की स्मृति में एक लाख रुपए की राशि परशुराम भवन के पदाधिकारियों को प्रदान की। उक्त राशि श्री परशुराम भवन में टेंट एवं बर्तनों के लिए दी गई है। इस अवसर पर श्री परशुराम भवन के पदाधिकारी उपस्थित थे। इधर पूर्व पत्रकार संघ अध्यक्ष देवेन्द्र कुशवाहा के पिताश्री इमरतलआल कुशवाहा ने जीवनदायिनी मां नर्मदा की परिक्रमा पूर्ण करने के उपरांत ग्राम सांगखेड़ा में भंडारे में 'महाप्रसाद' का आयोजन किया गया। इसी क्रम में नगर के मातापुर में प्रतिष्ठित मिश्रा परिवार ने श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन के उपरांत परिवार के बंटी मिश्रा ने भंडारे का आयोजन किया। जिसमें भारी संख्या में नागरिक शामिल हुए।

बरमान में सेवा प्रदाता संघ का हुआ गठन

नरसिंहपुर। बरमान में माँ गौरी आश्रम में सर्व सहमति से सेवा प्रदाता संघ (स्टाम्प वेपडर दस्तावेज लेखक) का गठन हुआ। संघ की कार्यकारिणी में कुँवर वीरेंद्र सिंह, महेन्द्र तिवारी, जिला अध्यक्ष राजेन्द्र मनोहर तिवारी, जिला उपाध्यक्ष अरुण तिवारी, जिला सचिव चौ. अभिषेक रघुवंशी, जिला कोषाध्यक्ष मनोज पटेल, जिला सह सचिव प्रफुल्ल सिंह राजपूत, जिला सह सचिव अंबर जौहरी, सेवा प्रदाता संघ की संरक्षक समिति धीरेन्द्र व्यवहार, विनीत श्रीवास्तव, अब्दुल हई खान, योगेन्द्र कौरव, मोहन लाल साहू, रामेश्वर पटेल, देवेन्द्र कौरव, जितेन्द्र गोंयल, नितिन पाठक, उमाकान्त तिवारी, सुरेश कुमार विश्वकर्मा को बनाया गया है।

निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

नरसिंहपुर। विगत दिवस शासकीय हाई स्कूल खापा शेड में शेर इको क्लब के तत्वाधान में निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण विषय पर निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के कक्षा 9 वीं के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता का मार्गदर्शन प्राचार्य एस के बक्शी जी व शिक्षक विनोद झारिया जी द्वारा किया गया। प्रतियोगिता इको क्लब प्रभारी अंकार गिर गोस्वामी, आशीष विश्वकर्मा, भूपेंद्र लोधी, प्रीति धुर्वें, गेंदालाल काछी, अभिषेक नेमा आदि के देख-रेख में सम्पन्न हुई।

विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे के प्रयासों से आमला सारणी विधानसभा को बजट में मिली लगभग 15 करोड़ रुपए लागत वाली पांच सड़कों की सौगात

पिछले कार्यकाल में दाई दर्जन सड़कों की सौगात देने वाले आमला विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे के प्रयासों से दूसरे कार्यकाल की शुरुआत में क्षेत्र को मिला पांच नई सड़कों का उपहार

विधायक पंडाग्रे के प्रयासों से बजट में विधानसभा को पांच सड़कों को स्वीकृति, उपलब्ध होगा आमला नगर में प्रवेश का नया वैकल्पिक मार्ग

आमला। विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे के प्रयासों से विधानसभा सत्र के दौरान प्रस्तुत बजट में आमला सारणी विधानसभा क्षेत्र को पांच सड़कों की स्वीकृति प्रदान की गई है।

आमला सारणी विधानसभा क्षेत्र की समृद्धि एवम विकास की प्रतिबद्धता एवं एकीकृत विकास कार्ययोजना अंतर्गत आमला सारणी विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे के प्रयासों से, पिछले कार्यकाल में ऐतिहासिक एवम रिकार्ड करोड़ों रुपए लागत वाली दाई दर्जन सड़कों के निर्माण की श्रृंखला में, एक और उपलब्धि के रूप में क्षेत्र को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व के प्रथम बजट में लगभग पंद्रह करोड़ रुपए लागत वाली पांच सड़कों की सौगात मिली है।

विधानसभा में प्रस्तुत किए गए बजट में संपूर्ण प्रदेश

समेत आमला सारणी विधानसभा में करोड़ों रुपए की सड़कों के लिए बजट आवंटित किया गया।

करोड़ों रुपए लागत की पांच सड़कें स्वीकृत, आमला नगर को वैकल्पिक मार्ग की सौगात - भारतीय जनता पार्टी मीडिया प्रभारी गोपेन्द्र सिंह बघेल ने बताया कि आमला सारणी विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे के प्रयासों से विधानसभा क्षेत्र को बजट में पांच सड़कें जिनमें पंखा बोड़खी आमला मार्ग स्थित ग्राम ससाबड़ से बल्लचला सड़क निर्माण लागत 2.18 करोड़ रुपए, ग्राम परसोड़ी से ग्राम तोरनवाड़ा सड़क निर्माण लागत 210 ग्राम बाबरबोह से ग्राम सोनेगांव तक सड़क निर्माण लागत



4.95 करोड़, ग्राम लीलाझर से होरावाडी जिला छिंदवाड़ा की ओर सड़क निर्माण लागत 3.62 करोड़, ग्राम मोरखा से हालदार बाबा तक सड़क निर्माण लागत 1.5 करोड़ रुपए के निर्माण की स्वीकृत बजट में मिली है।

उक्त सड़कों में से पंखा बोड़खी आमला मार्ग स्थित- ग्राम ससाबड़ लोक डाउन डावे के पास से होते हुए बल्लचला सड़क निर्माण से आमला नगर को एक वैकल्पिक पहुंच मार्ग मिले, जिसके उपयोग से वाहन बिना उपनगरी बोड़खी जाए आमला नगर से पंखा मार्ग होते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग तक पहुंच सकेंगे। जिससे दूरी समय एवम ईंधन के साथ शहर में यातायात के अन्य विकल्प मिलेंगे एवम शहर के विस्तार एवम विकास के नए मार्ग प्रशस्त होंगे।

गौरतलब है की आमला सारणी विधायक योगेश

मंत्री श्री पटेल ने किया उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन का लोकार्पण

नरसिंहपुर। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम विभाग मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने रविवार को गोटेगाँव के ग्राम बड़ेयाखेरा में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत 49 लाख रुपये की लागत से निर्मित नवीन आयुष्मान आरोग्य केन्द्र (उप स्वास्थ्य केन्द्र) का लोकार्पण किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक महेन्द्र नागेश, पूर्व विधायक जालम सिंह पटेल, महंत प्रीतम पुरी, जिला पंचायत सीईओ दलीप कुमार, सीएमएचओ डॉ राकेश बोहरे सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि उक्त उप स्वास्थ्य केन्द्र में मरीजों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार हेतु कक्ष एवं परिसर में कम्प्यूटरी हेल्थ ऑफिसर के निवास हेतु आवास व्यवस्था एवं महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता के निवास हेतु आवास की व्यवस्था है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री पटेल ने कहा कि यहां आरोग्य मंदिर बनने से लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में गरीब कल्याण के कार्य किए जा रहे हैं। गरीब व्यक्त भी अपना इलाज निःशुल्क करा सकें इसलिए आयुष्मान निरामय योजना प्रारंभ की गई। अब गरीब को अपने व परिवार के इलाज की चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा को लेकर सरकार



सतत रूप से प्रयासरत है। आज पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि है। अपने एकात्म मानववाद के दर्शन से उन्होंने भारत को विश्व गुरु बनाने के जो विचार दिये हैं उन्हें केंद्र सरकार पूरा कर रही है। भारत की सनातन विचारधारा को युगानुकूल रूप में प्रस्तुत करते हुए देश को एकात्म मानववाद और अंत्योदय की कल्याणकारी दृष्टि दी। उनका विचार था कि स्वतंत्रता तभी सार्थक होती है, जब वो हमारी संस्कृति की अभिव्यक्ति का साधन बने। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार भारतीय मानस को सशक्त राष्ट्र और समाज के

निर्माण के लिए अपना सर्वस्व झोंक कर कार्य करने की प्रेरणा देते रहेंगे। सत्ता बड़ी चीज नहीं बल्कि यह साधन है। हम पंडित दीनदयाल उपाध्याय के बताए मार्ग पर चलकर जनता के कल्याण के काम निरंतर करते रहेंगे। उन्हें के विचार को आत्मसात् कर आगे बढ़ रहे हैं। उनके विचारों ने हमें ताकत दी है। उनका मानना था कि केवल भवन निर्मित होने से विकास नहीं होता। क्षेत्रीय विधायक श्री नागेश ने इस आरोग्य मंदिर के लिये सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अब इलाज के लिए व्यक्ति को भटकना नहीं पड़ेगा।

मंत्री श्री पटेल ने किया राखी- भैंसा में शासकीय हाई स्कूल भवन का भूमिपूजन

नरसिंहपुर। पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि के अवसर पर प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने गोटेगाँव विकासखंड के ग्राम राखी- भैंसा में एकीकृत शासकीय हाई स्कूल भवन का भूमिपूजन किया। इस मौके पर गोटेगाँव विधायक महेन्द्र नागेश, पूर्व विधायक जालम सिंह पटेल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, अन्य विशिष्ट जनप्रतिनिधि और ग्रामीणजन मौजूद थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री पटेल ने कहा कि स्व. नर्मदा प्रसाद दुबे, श्रीमती उमा शशि प्रसाद दुबे ने अपनी दो एकड़ जमीन स्कूल के लिए दान दी है। राज्य सरकार ने लगभग पौने दो करोड़ रुपये की राशि से विद्यालय बनाने का फैसला किया है, जिसका आज भूमिपूजन है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि आज का दिन भी याद रहेगा कि पं.



दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि के दिन इस विद्यालय की आधारशिला रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि वह जमीन ऐसे राष्ट्रपति पदक प्राप्त शिक्षक के द्वारा दान की गई, उस जमीन पर बैठकर, उस भवन में पढ़कर जो पीढ़ी निकलेगी वह अपने जीवन में सर्वोच्च मुकाम हासिल करेगी, ऐसा मेरा विश्वास है। उन्होंने इसके लिए सभी को शुभकामनायें दीं। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि अपने बच्चों की शिक्षा, दीक्षा व संस्कारों की चिंता करें, खाली विकास से काम नहीं चलेगा विरासत के साथ विकास का काम होगा, तभी आने वाली पीढ़ी भी आपको याद रखेगी। उन्होंने स्व. नर्मदा प्रसाद दुबे को नमन किया। उन्होंने पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचारों का भी उल्लेख किया। स्थानीय विधायक श्री नागेश ने भी इस अवसर पर संबोधित करते हुए विद्या के इस भवन के लिये बधाई दी। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बेहतर शिक्षा से बेहतर समाज का विकास होगा। पूर्व विधायक श्री जालम सिंह पटेल ने शिक्षा भवन की शुभकामनायें देते हुए कहा कि यहाँ स्कूल नहीं था। शिक्षा के लिए यहाँ स्कूल बनाने के लिए दान प्रदान किया गया था। यहाँ स्कूल स्व. श्री नर्मदा प्रसाद जी दुबे, श्रीमती उमा शशि प्रसाद दुबे के नाम पर बनेगा। उनकी मूर्ति की भी स्थापना की जायेगी। बच्चों और युवाओं के लिए यह अनुकरणीय कार्य किया है। उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन शिक्षा के लिए दिया है।

बांस हस्तशिल्प में रोजगार व स्वरोजगार विषय पर एक माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

नरसिंहपुर। स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नरसिंहपुर में स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना, उच्चशिक्षा विभाग म.प्र. शासन द्वारा प्रायोजित अल्पावधि रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण अंतर्गत बांस हस्तशिल्प में रोजगार व स्वरोजगार विषय पर एक माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन संस्था प्राचार्य डॉ. ममता शर्मा की अध्यक्षता व योजना के जिला नोडल अधिकारी अजीत राय व प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. प्रभृति सेन की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस प्रशिक्षण में संजय कटारे मास्टर ट्रेनर, वन विभाग प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित रहे। विद्यार्थियों



ने एक माह के आयोजन के दौरान बांस की विभिन्न वस्तुओं जैसे टोकरी, फ्लावर पॉट, पेन स्टेण्ड, लैम्प, बॉटल, हॉल्डर के साथ कई सजावटी वस्तुओं का निर्माण करना

सीखा। साथ ही वे इस क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न रोजगार के अवसरों से भी अवगत हुए। विद्यार्थियों ने अपना फीडबैक देते हुए भविष्य में भी इस तरह के आयोजन किए जाने की मंशा प्रकट की। इस आयोजन से स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर के 30 विद्यार्थी लाभान्वित हुए जिनमें एक माह तक उत्पादपूर्वक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने पर विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। श्रीमती शिल्पी तिवारी, श्रीमती दीप्ती नेमा व कु. पूर्णिमा पटेल का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

समाज के जरूरतमंदों की मदद सराहनीय काम-पुलिस अधीक्षक



देवास। समाज के जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए सक्रिय समाज के लोगों, उद्योगों और मीडिया सहित उन सभी के कामों की सराहना की जानी चाहिए जो सतत समाज की दशा और दिशा बदलने को सक्रियता से अंजाम देते रहते हैं। ये बात पुलिस कप्तान ने

बेअरलॉकर उद्योग द्वारा एकट इव फाउंडेशन के समन्वय से स्कूली बच्चों को दिए जा रहे फर्नीचर लोकार्पण के अवसर पर कही। बेअरलॉकर उद्योग प्रबंधक प्रवीण शर्मा तथा एकट इव फाउंडेशन अध्यक्ष मोहन वर्मा ने बताया कि बेअरलॉकर उद्योग द्वारा पुलिस लाईंस स्थित

सेंटर में बच्चों के लिए 13 सेट तथा दुर्गानगर के प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के लिए 12 सेट भेंट किए। इन्हें मिलाकर बेअरलॉकर उद्योग द्वारा अभी तक चार स्कूलों में 75 फर्नीचर सेट दिए जा चुके हैं जिनका उपयोग अब तक जमीन पर बैठकर पढ़ने वाले बच्चे कर पा रहे हैं। दोनों कार्यक्रम में अतिथि रूप में पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय, बेअरलॉकर उद्योग लॉजिस्टिक हेड मुकेश मेहता, प्लांट हेड सुशांत खड्गताले, भामस के अजय उपाध्याय, प्रवीण शर्मा, स्कूल प्राचार्य दिव्या निगम, बीआरसी किशोर वर्मा, श्री पाराशर, तथा जनशिक्षक सुरेंद्र राठौर, निशा राठौर, उपस्थित थे। अतिथियों ने बेअरलॉकर उद्योग तथा एकट इव फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा करते हुए अपनी और से सेवाकामों में हसंभव सहायता का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उमाकांत गुप्ता ने दुर्गानगर स्कूल में अपनी और से एक पंखा देने की घोषणा भी की। कार्यक्रम में रंजीत ठाकुर, आनंद परमार, संगीता, तारा राठौर, सरोज तिवारी, सुनीता तिवारी, तारा राजोरिया, सरिता टोकसे, गुलाब वर्मा, दिना शर्मा, प्रदीप शर्मा, आलेख वर्मा, वीरेंद्र गौड़, इसाक भाई उपस्थित थे। संचालन किशोर असनानी ने किया तथा आभार प्रवीण शर्मा ने माना।

सत्ता का सर्कस

दिनेश गुप्ता

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं



चार पूर्व मुख्यमंत्रियों की सियासत में भविष्य की चिंता

पच्चीस साल विपक्ष में रहने का रिकॉर्ड बना चुकी होगी। कांग्रेस की पंद्रह माह की सरकार में कार्यकर्ताओं को अपनी सरकार होने का अहसास नहीं हुआ था। उसके जो नेता अभी सक्रिय दिखाई दे रहे हैं वे भी दल में बचते हैं कि नहीं कह नहीं सकते। कमलनाथ और उनके पुत्र की राजनीतिक निष्ठा पर कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं। कहा जा रहा है कि कमलनाथ ने सोनिया गांधी से अपने लिए राज्यसभा की सीट मांगी है। वे विधायक का

यह बात सही है तो इसके पीछे सियासत जीतू पटवारी के राह में रोड़ा अटकाने की है या फिर कांग्रेस छोड़ने की प्रवृत्ति तैयार करने की है? अकबर रोड या दस जनपथ की राजनीति करने वाले नेता भी मान रहे हैं कि सोनिया गांधी के लिए मौजूदा दौर में कोई भी निर्णय करना कांग्रेस के लिए घातक हो सकता है। कमलनाथ को यदि राज्यसभा में भेजते हैं तो युवा नेतृत्व को झटका लगेगा। यदि नहीं भेजते हैं तो कमलनाथ या उनका कोई परिजन

राजनीति से सोनिया गांधी को अवगत करा दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इस बात से खिन्न हैं कि नकुल नाथ ने अपनी उम्मीदवारी खुद घोषित कर दी।

शिवराज का भविष्य लोकसभा या राज्यसभा

कमलनाथ जैसी राजनीति शिवराज सिंह चौहान की नहीं है। यद्यपि दोनों में बहुत समानता है। शिवराज

चुनावी राजनीति में नहीं है दिग्विजय का भविष्य

कमलनाथ की तरह ही दिग्विजय सिंह कांग्रेस के वयोवृद्ध नेता हैं। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को मिली पराजय के बाद दिग्विजय सिंह का राजनीतिक भविष्य क्या है? दिग्विजय सिंह राज्यसभा सदस्य हैं और उनका कार्यकाल अप्रैल 2026 तक है। दिग्विजय सिंह अगले दो साल इसी हैसियत से राजनीति करते रहेंगे। वे खुद लोकसभा चुनाव लड़ने के इच्छुक नहीं हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में कमलनाथ की राजनीति के चलते उन्हें भोपाल से लोकसभा चुनाव लड़ना पड़ा था। दिग्विजय सिंह खुद इस बात को स्वीकार कर चुके हैं कि उनके प्रचार करने से पार्टी के वोट कटते हैं। पार्टी को इस बात का प्रमाण कई बार मिल चुका है। अब तो उनके परिवार के भीतर भी असहमति के स्वर सुनाई देने लगे हैं। दिग्विजय सिंह विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के लिए ईवीएम को जिम्मेदार मान रहे हैं। जबकि उनके छत्रे भाई लक्ष्मण सिंह सेबोटेज को कारण मान रहे हैं। पिता और चाचा कि सियासत से जयवर्धन सिंह ने दूरी बनाकर रखी है। जयवर्धन सिंह रावोगढ़ से विधायक हैं। विधानसभा चुनाव में उनकी जीत का मार्जिन भी घटा है। रावोगढ़ की सियासत को नियंत्रण अभी भी दिग्विजय सिंह के हाथ में है। भाजपा में जाने की जो चर्चा कमलनाथ के परिवार से जुड़ी है उससे दिग्विजय सिंह और उनके पुत्र जयवर्धन सिंह दूर हैं। दिग्विजय सिंह का राजनीतिक भविष्य सिर्फ जयवर्धन सिंह है।

उमा भारती की होगी चुनावी राजनीति में वापसी

मध्य प्रदेश के जितने भी मुख्यमंत्री हुए हैं उनमें उमा भारती की राजनीति काफी संघर्ष से भरी रही है। वे मात्र आठ माह ही राज्य की मुख्यमंत्री रह पाई थीं। वर्ष 2003 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को सरकार में लाने में उमा भारती के चेहरे की बड़ी भूमिका रही है। पार्टी नेतृत्व से टकराव के चलते उन्हें भाजपा से अलग राह भी चुनना पड़ी थी। भारतीय जनशक्ति पार्टी के नाम से अलग राजनीतिक दल भी उन्होंने बनाया था। भाजपा में वापसी के बाद उन्हें उत्तर प्रदेश की राजनीति में भेजकर राज्य निकाला दिया गया। पहले चरखारा से विधायक रहीं। बाद में झारखी से 2014 का लोकसभा चुनाव लड़कर केंद्र की राजनीति में चली गईं। 2019 के लोकसभा चुनाव में पार्टी ने उन्हें टिकट नहीं दिया। उमा भारती उत्तर प्रदेश छोड़कर मध्य प्रदेश की राजनीति में सक्रिय हैं। उनकी इच्छा 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ने की है। राज्य कोई भी हो सकता है। उत्तर प्रदेश या मध्य प्रदेश। हाल ही में उमा भारती ने टीकमगाढ़ जिले के अपने घर श्री राम कथा का आयोजन भी रखा था। इस आयोजन को उनकी चुनावी राजनीति से जोड़कर देखा जा रहा है।

मध्य प्रदेश में चार पूर्व मुख्यमंत्री सक्रिय राजनीति में हैं। दो भारतीय जनता पार्टी के और दो कांग्रेस। दिग्विजय सिंह और कमलनाथ कांग्रेस सरकार में मुख्यमंत्री रहे थे। उमा भारती और शिवराज सिंह चौहान भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्री हैं। इन चारों मुख्यमंत्रियों में सबसे लंबा कार्यकाल शिवराज सिंह चौहान का रहा है। वे लगभग आठ साल मुख्यमंत्री रहे हैं। इसके बाद दिग्विजय सिंह की बारी आती है। वे दस साल मुख्यमंत्री रहे हैं। उमा भारती और कमलनाथ का कार्यकाल छोटा रहा है। कमलनाथ लगभग पंद्रह माह मुख्यमंत्री रहे। जबकि उमा भारती महज आठ माह ही मुख्यमंत्री रह पाईं। इन दिनों ये चारों मुख्यमंत्री अपने भविष्य को लेकर चिंतित दिखाई दे रहे हैं। हाल ही में दो पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और शिवराज सिंह चौहान की अपने-अपने शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात ने कई तरह की कथाओं को जन्म दिया है। उमा भारती अपने बयानों के जरिए चर्चा में बनी हुई हैं। दिग्विजय सिंह के नाम की चर्चा भी लोकसभा चुनाव के कारण ज्यादा है।

राज्यसभा सीट पर कमलनाथ की निगाह

राज्यसभा चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। मध्य प्रदेश में राज्यसभा की कुल पांच सीटों पर चुनाव होना है। चार सीट भारतीय जनता पार्टी के खाते वाली हैं। सिर्फ एक सीट कांग्रेस को मिल रही है। दो दिन पहले पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की कांग्रेस सुप्रीमो सोनिया गांधी से दिल्ली में मुलाकात हुई थी। इस मुलाकात के बाद ही उनकी राज्यसभा सीट की दावेदारी की चर्चाएं तेज हो गई हैं। कमलनाथ 2018 में केंद्र की राजनीति छोड़कर प्रदेश कांग्रेस कमेट्री के अध्यक्ष बने रहे। 2018 के विधानसभा चुनाव में ही कांग्रेस ने सत्ता में वापसी की थी। इसके बाद कमलनाथ राज्य के मुख्यमंत्री बन गए। वे मार्च 2020 तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे। सरकार गिरने के बाद भी वे राज्य की राजनीति में सक्रिय बने रहे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का पद उनके पास था। 2023 का विधानसभा चुनाव कमलनाथ के नेतृत्व में ही लड़ा गया था। कांग्रेस को मात्र 66 सीट ही मिली। इसके बाद पार्टी ने उनके स्थान पर जीतू पटवारी को प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बना दिया। कमलनाथ का पूरा राजनीतिक कैरियर केंद्र की राजनीति में गुजरा है। 2014 तक वे डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार में मंत्री थे। 2014 के बाद से ही कांग्रेस लगातार कमजोर होती जा रही है। उसके कई बड़े नेता दल बदल कर भाजपा में शामिल हो चुके हैं। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मध्य प्रदेश में भी सरकार बनाने का मौका नहीं मिला है। 2028 में जब विधानसभा के अगले चुनाव होंगे तब तक कांग्रेस



पद छोड़ना चाहते हैं। पद छोड़ने के पीछे कमलनाथ का जो भाव है, वह दिलचस्प है। वे विधायक पद से इस्तीफा देकर नई पीढ़ी को मौका देना चाहते हैं। कमलनाथ नई पीढ़ी को मौका देने का भाव रखते हैं तो वे राज्यसभा की सीट अपने लिए क्यों मांग रहे हैं। राज्यसभा में भी तो किसी युवा नेता को मौका दिया जा सकता है।

राज्यसभा सीट मांगने के पीछे क्या सियासत है?

राजनीति में जो होता है, वह दिखता नहीं है। जो दिखता है वह कई बार होता नहीं है। कांग्रेस के जो भी बड़े नेता पार्टी छोड़कर भाजपा में गए उनको लेकर इस तरह के अनुमान खारिज किए जाते रहे थे। कमलनाथ और उनके पुत्र नकुल नाथ को लेकर भी दावा किया जा रहा है कि वे कांग्रेस छोड़कर कहीं नहीं जाने वाले। कमलनाथ जो कहते हैं वो करते हैं। मार्च 2020 में सरकार गिरने के बाद जब यह कहा गया कि वे भोपाल छोड़कर दिल्ली चले जाएंगे, तब उन्होंने कहा मैं कहीं नहीं जाने वाला। वे भोपाल में रहकर राज्य की राजनीति में सक्रिय बने रहे। विधानसभा चुनाव में पार्टी को मिली हार का असर कमलनाथ के चेहरे पर भी साफ दिखाई देता है। कमलनाथ की उम्र 77 साल की हो गई है। इस उम्र में भी वे केंद्र की सक्रिय राजनीति की इच्छा रखते हैं तो युवा नेताओं के चेहरे लटकना स्वाभाविक है। कमलनाथ की नजर क्या वाकई राज्यसभा की एकमात्र सीट पर है? यदि

निर्णय से खफा होकर कांग्रेस से अलग राह चुन सकता है? वो रहा भाजपा से भी जाकर मिल सकती है या छिंदवाड़ा लोकसभा चुनाव में उदासीनता दिखा सकती है।

नकुल नाथ के लिए टिकट मांगने हुई मुलाकात?

कमलनाथ का राजनीतिक भविष्य नकुल नाथ है। नकुल नाथ का भविष्य छिंदवाड़ा के वोटर के हाथ में है। नकुल नाथ द्वारा लोकसभा चुनाव में अपनी उम्मीदवारी की घोषणा सार्वजनिक तौर पर कर दी गई है। कमलनाथ ने भी कह दिया है कि चुनाव तो नकुल नाथ ही लड़ेंगे। कांग्रेस पार्टी में यह परंपरा नहीं रही है कि कोई नेता अपनी तरफ से ही उम्मीदवारी की घोषणा कर दे। कमलनाथ, गांधी परिवार के करीब हैं इस कारण ही नकुल अपनी उम्मीदवारी की घोषणा का साहस जुटा पाए। अन्यथा हथ्रि निशा बांगरे जैसा भी तो हो सकता है। चुनाव लड़ने के लिए नौकरी छोड़ी। इस्तीफा मंजूर हुआ तो कमलनाथ ने टिकट नहीं दिया। ऐसा क्या नकुल नाथ के साथ हो सकता है? नहीं। सभी का यही जवाब होगा। कहा जा रहा है कि कमलनाथ की सोनिया गांधी से हुई मुलाकात में छिंदवाड़ा लोकसभा सीट पर चर्चा हुई। कमलनाथ ने अपना पक्ष और कांग्रेस की मौजूदा

सिंह चौहान के राजनीतिक उत्तराधिकारी उनके पुत्र कार्तिकेय हैं। नकुल नाथ की तरह कार्तिकेय दंभपूर्ण राजनीति नहीं करते। कारण भाजपा की राजनीति कांग्रेस के तरह की नहीं है। भाजपा में पार्टी के निर्णय से ही सभी नेता बंधे होते हैं। कांग्रेस में नेता के निर्णय से पार्टी बंधी होती है। शिवराज सिंह चौहान भी दो दिन पहले अपने शीर्ष नेतृत्व यानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले थे। दोनों नेताओं के बीच क्या बात हुई, वह सामने नहीं आई है। वैसे इस मुलाकात का इंजार्ज लंबे समय से हो रहा था। विधानसभा चुनाव के परिणामों के बाद अब शिवराज सिंह चौहान की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात हुई है। जाहिर है कि इस मुलाकात में भविष्य की राजनीति पर ही बात हुई होगी। चौहान को उनकी भूमिका भी प्रधानमंत्री ने बता दी होगी, शिवराज सिंह चौहान को छिंदवाड़ा से लोकसभा का चुनाव लड़ने का प्रस्ताव राज्य की कांग्रेस समिति ने भेजा है। इस प्रस्ताव पर अपना मत भी पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बता दिया होगा। राज्यसभा चुनाव को लेकर भी दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई है। शिवराज सिंह चौहान वही करेंगे, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहेंगे। चौहान, भाजपा के वरिष्ठ नेताओं में एक हैं। उनके बारे में फैसला प्रधानमंत्री के अलावा कोई अन्य नेता नहीं कर सकता।

किसान भाई फसलों का पंजीयन समयावधि में कराएँ : कृषि मंत्री कंधाना ई-उपार्जन पोर्टल पर चना, मसूर एवं सरसों का पंजीयन 20 फरवरी से

भोपाल (नप्र)। किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंधाना ने चना, मसूर एवं सरसों उत्पादक किसान भाईयों से अपील की है कि वे उपज के उपार्जन के लिये ई-उपार्जन पोर्टल पर अपना पंजीयन निर्धारित समय अवधि में जरूर कर लें। उन्होंने बताया है कि रबी वर्ष 2023-24 (विपणन वर्ष 2024-25) में ई-उपार्जन पोर्टल पर 20 फरवरी से 10 मार्च 2024 तक पंजीयन की कार्यवाही होगी। श्री कंधाना ने बताया है कि भारत सरकार की प्राईस सपोर्ट स्कीम अंतर्गत रबी वर्ष 2023-24 (विपणन वर्ष 2024-25) में ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन के लिये खाद, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने विस्तृत निर्देश जारी कर दिये गये हैं। उन्होंने बताया है कि चना, मसूर एवं सरसों की फसलों के ई-उपार्जन पोर्टल पर किसानों भाईयों को पंजीयन कराना होगा। मंत्री श्री कंधाना ने बताया है कि पंजीयन की व्यवस्था, पंजीयन केन्द्रों के निर्धारण, पंजीयन केन्द्रों पर अन्य व्यवस्थाओं के लिये निर्देश दे दिये हैं। कृषि मंत्री श्री कंधाना ने बताया है कि समर्थन मूल्य पर चने की उपज के उपार्जन के लिए पंजीयन प्रदेश के समस्त जिलों में होगा। मसूर के लिए 37 जिलों में एवं सरसों उपार्जन के लिए पंजीयन प्रदेश के 40 जिलों में होगा। मसूर उपार्जन के लिए पंजीयन भिण्ड, दतिया, शिवपुरी, अशोकनगर, सागर, टीकमगाढ़, छतरपुर पन्ना, दमोह, सतना, रीवा, सीधी, सिंगरीली, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर, मण्डला, डिण्डोरी जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, कटनी, राजगढ़, विदिशा, रायसेन, सिहोर, नर्मदापुरम, बैतुल, हरदा, उज्जैन, मंडसौर, आगर, शाजापुर, रतलाम, नीमच एवं धार में किया जायेगा।

प्रदेश भाजपा के लोकसभा चुनाव प्रबंधन कार्यालय का शुभारंभ

हमें अभी से मिलने लगी खुशखबरी : सीएम यादव

भाजपाध्यक्ष वीडी ने कहा- हर बूथ पर 370 वोट बढ़ाना हमारा लक्ष्य

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश भाजपा कार्यालय में लोकसभा चुनाव प्रबंधन कार्यालय का शुभारंभ किया। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा, लोकसभा चुनाव के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, सह प्रभारी सतीश उपाध्याय, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा सहित अन्य भाजपा नेता मौजूद थे। कार्यालय के शुभारंभ के बाद मुख्यमंत्री ने कहा, मैं दोही खुशी के मौके पर शामिल हुआ हूँ। भाजपा के लोकसभा कार्यालय का शुभारंभ हुआ। अभी अभी समाचार मिला है कि चारों जिला पंचायत अध्यक्ष हमारी भाजपा के जीते हैं। जनसंघ के जमाने से हमारा जो बड़ा विषय धारा 370 का था। उसे समाप्त किया है। अब आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा 370 से ज्यादा सीटें जीतेगी। हर बूथ पर 370 वोट बढ़ाना लक्ष्य- बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा आज लोकसभा के चुनाव प्रबंधन कार्यालय का उद्घाटन हुआ है। आज भाजपा ने जबलपुर, सीहोर, अशोकनगर में जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव निर्विरोध जीता है। खंडवा



भी जीतने वाले हैं। प्रधानमंत्री ने हमें टारगेट दिया है 370 पार। हमारा लक्ष्य है हर बूथ पर 370 वोट बढ़ाना। भाजपा ने 7 कलस्टर में बांटी 29 लोकसभाएं- बीजेपी ने एमपी की 29 लोकसभा सीटों को 7 कलस्टर में विभाजित किया है। जिसमें भोपाल, जबलपुर, रीवा, इंदौर, सागर, ग्वालियर और उज्जैन शामिल हैं। एमपी बीजेपी के बड़े नेताओं को इन कलस्टरों का प्रभारी बनाया गया था। लेकिन लोकसभा कलस्टर के प्रभारियों में बदलाव किया गया है। आज ग्वालियर कलस्टर में भूपेंद्र सिंह को इंचार्ज बनाया गया, जबकि भोपाल कलस्टर को अब राजेंद्र शुक्ला देखेंगे, वहीं सागर कलस्टर के प्रभारी नरोत्तम मिश्र होंगे। इसी तरह प्रह्लाद पटेल- रीवा, कैलाश विजयवर्गीय-जबलपुर, विश्वास सारंग-उज्जैन, जगदीश देवड़ा-इंदौर के इंचार्ज बनाए गए हैं। हर लोकसभा और कलस्टर लेवल पर खुल रहे ऑफिस- बीजेपी एमपी के सभी सातों कलस्टर स्तर पर और हर लोकसभा स्तर पर चुनाव कार्यालय खोल रही है। कलस्टर कार्यालयों से ही उस क्षेत्र की सभी 4-5 लोकसभाओं के चुनाव प्रचार अभियान का संचालन किया जाएगा। बीजेपी के केन्द्रीय नेताओं का हेडक्वार्टर कलस्टर कार्यालय रहेगा।

भोपाल में 50 से अधिक किसान हिरासत में

कोर कमेटी मेंबर शांता कुमार की पत्नी घायल, आंदोलन में शामिल होने जा रहे थे दिल्ली



भोपाल (नप्र)। 13 फरवरी को दिल्ली में किसान संगठनों के आंदोलन में शामिल होने जा रहे 50 से अधिक किसानों को भोपाल में कर्नाटक एक्सप्रेस से उतारकर हिरासत में लिया गया है। देर रात को सभी किसानों को एक मैरिज गार्डन में रखा गया। सुबह होते ही किसानों ने छत्र पर पहुंचकर नारेबाजी शुरू कर दी। बाद में धरने पर भी बैठ गए। मौके पर बड़ी संख्या में

पुलिस बल तैनात किया गया है। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ भोपाल से जुड़े ओम प्रकाश राजौरिया ने बताया कि मध्य प्रदेश में कम से कम 150 किसानों को गिरफ्तार किया गया है। जो किसान खेतों में पानी दे रहे थे। उन्हें पकड़कर ले गए। घर पर महिलाओं से पुलिस ने अभद्रता की है। हमें अपने लोगों से मिलने नहीं दिया जा रहा है। कर्नाटक एक्सप्रेस से उतारे गए किसानों में राष्ट्रीय

संयुक्त किसान मोर्चा की कोर कमेटी के सीनियर मेंबर बी शांता कुमार की पत्नी को भी उतारा गया है। उनकी पत्नी को ट्रेन में घसीटा गया है। उनके सिर में चोट लगी है। उन्हें देर रात इलाज के लिए 1250 हॉस्पिटल (जेपी हॉस्पिटल) भेजा गया। जहाँ से हमीदिया फैरर किया गया था। बाद में उन्हें मैरिज गार्डन भेज दिया गया। बी. शांता कुमार चंडीगढ़ में थे, वे भी आंदोलन छोड़कर भोपाल आ

रहे हैं। वहाँ मौजूद लोगों से मिलने नहीं दिया जा रहा है। पुलिस हमारे साथियों को छोड़े और उनका ठीक से इलाज कराएँ। नहीं तो हम पूरे मध्य प्रदेश में जेल भरो आंदोलन शुरू करेंगे।

कर्नाटक एक्सप्रेस से किसानों को उतारे जाने के दौरान राष्ट्रीय संयुक्त किसान मोर्चा की कोर कमेटी के सीनियर मेंबर बी शांता कुमार की पत्नी घायल हुई हैं।

किसान नेता ने कहा- हम 70 लोग जा रहे थे दिल्ली

हिरासत में लिए गए किसान नेता परशुराम धारावाड़ ने बताया कि हम 70 किसान बंगलुरु-निजातुद्दीन (कर्नाटक संपर्क क्रांति) एक्सप्रेस से दिल्ली जा रहे थे। इनमें 25 महिलाएं और 45 पुरुष शामिल हैं। हम कर्ज माफ, एमएसपी गारंटी कानून जारी करना, स्वामीनाथन की रिपोर्ट लागू कराने जैसी मांगों को लेकर किसान आंदोलन में शामिल होने वाले थे। इससे पहले भोपाल में हमें हिरासत में ले लिया गया।

इसलिए पुलिस ने उतारा ट्रेन से

दिल्ली में किसान आंदोलन की घोषणा हरियाणा और पंजाब के किसान संगठनों ने की है। आंदोलन के दौरान दिल्ली की कानून व्यवस्था न बिगड़े, इसके लिए दिल्ली सरकार ने निषेधाज्ञा लागू कर दी है। रविवार रात को भोपाल पुलिस को कर्नाटक एक्सप्रेस से 50 से ज्यादा किसानों के दिल्ली जाने की सूचना मिली थी।

इस इन्पुट के आधार पर भोपाल पुलिस ने जीआरपी टीम की मदद लेकर कर्नाटक एक्सप्रेस में सफर कर रहे 50 से ज्यादा किसानों को भोपाल रेलवे स्टेशन पर उतार लिया। जीआरपी और भोपाल पुलिस ने किसानों में ट्रेन से उतारा तो उन्होंने रेलवे स्टेशन पर हंगामा कर दिया। किसानों ने पुलिस से बीच सफर में ट्रेन से उतारे जाने को लेकर सवाल-जवाब किए।